15 जुलाई 2025
शनिवार

केशव टाइम्स
डिजिटल संस्करण

झारखंड में खुलेआम हो रहा है अवैध खून का धंधा! मालामाल हो रहे निजी अस्पताल

3

सिमी के खिलाफ याचिका खारिज, सरकार का मानना संगठन अब भी सक्रिय : सुप्रीम कोर्ट

एजेंसी/नई दिल्ली

♦ दी गई दलील- संगठन ने इस्लाम के लिए जेहाद के अपने उद्देश्य को नहीं छोड़ा

नफरती भाषण और कंटेंट पर सुप्रीम कोर्ट ने जताई नाराजगी, सरकार को कार्रवाई का दिया आदेश

नई दिल्ली। देश की सर्वोच्च अदालत सुप्रीम कोर्ट ने एक बार फिर से नफरती भाषण और कंटेंट पर नाराजगी जताई है। सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र और राज्य सरकार को इसे लेकर निर्देश जारी किया है और कहा है कि नफरती भाषण और कंटेंट पर लगाम लगाने के लिए एक्शन लीजिए। हालांकि, इस दौरान शीर्ष अदालत ने फ्रीडम ऑफ स्पीच का भी ध्यान रखने को कहा। न्यायमूर्ति बीवी नागरत्ना और न्यायमूर्ति केवी विश्वनाथन ने कहा कि लोगों को अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता के मूल्य के बारे में जागरूक किया जाना चाहिए, क्योंकि कोई नहीं चाहता कि राज्य इसे विनियमित करने के लिए कदम उठाए। पीठ ने कहा कि लोगों को ऐसा भाषण अप्रिय और अनुचित क्यों नहीं लग रहा? उन्होंने आगे कहा कि विषय-वस्तु का कुछ नियमन होना चाहिए और नागरिकों को ऐसे घृणास्पद भाषणों को साझा करने और पसंद करने से खुद को रोकना चाहिए। शीर्ष अदालत ने राज्यों, केंद्र और वजाहत खान की ओर से पेश हुए वकील से सुझाव देने को कहा कि वे अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता को नुकसान पहुंचाए बिना घृणास्पद भाषणों को कैसे नियंत्रित किया जा सके।

गतिविधियां (रोकथाम) अधिनियम (यूएपीए) न्यायाधिकरण के 24 जुलाई, 2024 के आदेश को चुनौती देने वाली याचिका पर सुनवाई से इनकार कर दिया। केंद्र सरकार ने 29 जनवरी, 2024 को सिमी पर प्रतिबंध को पांच साल के लिए बढ़ाने का निर्णय लिया था, जिसके बाद न्यायाधिकरण का गठन यूएपीए के तहत किया गया था। इसकी स्थापना इस बात पर निर्णय लेने के लिए की गई थी कि सिमी को गैरकानूनी संगठन घोषित करने के लिए पर्याप्त कारण हैं या नहीं।

2001 में सिमी को किया गया था गैरकानूनी घोषित : सिमी को पहली बार 2001 में अटल बिहारी वाजपेयी सरकार के दौरान गैरकानूनी घोषित किया गया था और तब से प्रतिबंध को समय-समय पर बढ़ाया जाता रहा है। सिमी की स्थापना 25 अप्रैल, 1977 को अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय में युवाओं और छात्रों के एक प्रमुख संगठन के रूप में हुई थी, जो जमात-ए-इस्लामी-हिंद (जेईआईएच) में आस्था रखते थे। हालांकि, संगठन ने 1993 में एक प्रस्ताव के माध्यम से खुद को स्वतंत्र घोषित कर दिया।

सिमी पर प्रतिबंध को नौवीं बार बढ़ाया गया था: सोमवार को याचिकाकर्ता की ओर से पेश हुए वकील ने कहा कि न्यायाधिकरण ने केंद्र के 29 जनवरी, 2024 के आदेश की पुष्टि की है, जिसमें सिमी पर प्रतिबंध को नौवीं बार बढ़ाया गया था। उन्होंने कहा कि सितंबर 2001 से प्रतिबंध जारी है और सिमी पर प्रतिबंध को चुनौती देने वाले अन्य मामले भी शीर्ष अदालत में लंबित हैं। वकील ने पीठ से अनुरोध किया कि वह याचिका पर नोटिस जारी करे और इसे लंबित मामलों के साथ संलग्न करें। जब उन्होंने कहा कि याचिकाकर्ता सिमी का पूर्व सदस्य है, तो पीठ ने कहा कि तो फिर आप यहां क्यों हैं? संगठन को आने दीजिए।

न्यायालय का जवाब देते हुए वकील ने कहा कि संगठन का अस्तित्व ही नहीं है, तो पीठ ने पूछा कि तो फिर इसका आप पर क्या प्रभाव पड़ता है? वकील ने कहा कि इस मामले में अभी कुछ कानूनी मुद्दे हैं। उन्होंने कहा कि सरकार इस तथ्य को स्वीकार नहीं करती कि सिमी अब निष्क्रिय हो चुकी है। हालांकि, पीठ ने याचिका पर विचार करने से इन्कार कर दिया।

डॉ. एस जयशंकर पहुंचे चीन, चीनी उपराष्ट्रपति से की मुलाकात

भारत-चीन के बीच अच्छे संबंध पूरी दुनिया के लिए फायदेमंद: विदेश मंत्री

♦ गलवान घाटी में झड़प की घटना के बाद भारत ने की पहल, तनाव कम करने की नसीहत

एजेंसी/नई दिल्ली

गलवान के बाद सर्द हो गए थे दोनों देशों के रिश्ते

जयशंकर मंगलवार को तियानजिन में एससीओ विदेश मंत्रियों की बैठक में हिस्सा लेंगे। विदेश मंत्रालय ने बताया कि वह इस दौरान कई द्विपक्षीय मुलाकातें भी करेंगे। यह दौरा जयशंकर का पांच साल बाद पहला चीन दौरा है, जो गलवान टकराव के बाद रिश्तों में आई कड़वाहट को कम करने की कोशिश है। 2020 में गलवान घाटी में हुए टकराव में 20 भारतीय सैनिक शहीद हुए थे, जबकि चीन को भी भारी नुकसान हुआ। यह 45 साल में सबसे बड़ा सैन्य टकराव था, जिसने रिश्तों को गहरे संकट में डाल दिया। कजान में मोदी-शी की मुलाकात के बाद सीमा विवाद सुलझाने के लिए विशेष प्रतिनिधि प्रणाली को फिर से शुरू करने का फैसला हुआ। अगले महीने वांग यी के भारत दौरे की भी उम्मीद है।

गलवान घाटी में झड़प की घटना के बाद भारत के विदेश मंत्री डॉ. एस जयशंकर चीन पहुंचे हैं, जहां उन्होंने चीन के उपराष्ट्रपति हान झेंग की। इस मुलाकात में जयशंकर ने चीन को आतंकवाद पर भारत की सख्त नीति के बारे में बताया। उन्होंने यह भी कहा कि दोनों देशों के अच्छे संबंध पूरी दुनिया के लिए फायदेमंद हैं। शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) के सम्मेलन में भाग लेने पहुंचे जयशंकर ने दोनों देशों के बीच मतभेदों को विवाद न बनने देने की बात कही। साथ ही, उन्होंने वास्तविक नियंत्रण रेखा पर तनाव कम करने की जरूरत बताई।

डॉ. एस जयशंकर ने चीन में अपने समकक्ष वांग यी से मुलाकात की। यह मुलाकात गलवान घाटी में हुई हिंसा के बाद पहली बार हुई। उन्होंने चीन को स्पष्ट रूप से बताया कि भारत आतंकवाद को बिल्कुल भी बर्दाश्त नहीं करता। भारत, चीन से भी ऐसी ही उम्मीद रखता है। जयशंकर ने यह बात तब कही है जब चीन ने ऑपरेशन सिंदूर के दौरान पाकिस्तान की हर तरह से मदद की थी। पहलगाम हमले के बाद भारत के ऑपरेशन सिंदूर के दौरान चीन ने पाकिस्तान को लड़ाकू विमान मुहैया कराने के साथ ही प्रॉक्सी वॉर में भी उसकी मदद की थी।

प्रतिस्पर्धा को संघर्ष में नहीं बदलना चाहिए: बहरहाल, जयशंकर ने कहा कि भारत और चीन के बीच स्थिर संबंध पूरी दुनिया के लिए अच्छे हैं। उन्होंने यह भी कहा कि दोनों देशों के बीच मतभेदों को विवाद नहीं बनना चाहिए। प्रतिस्पर्धा को संघर्ष में नहीं बदलना चाहिए। जयशंकर ने कहा कि भारत और चीन के बीच स्थिर और अच्छे संबंध न केवल हमारे लिए, बल्कि पूरी दुनिया के लिए भी फायदेमंद है। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने चीनी उपराष्ट्रपति हान झेंग के साथ बातचीत में कहा कि पिछले नौ महीनों में रिश्तों को सामान्य करने में अच्छी प्रगति हुई है। अब भारत और चीन को एलएसी पर तनाव कम करने की कोशिश करनी चाहिए। उन्होंने चीन द्वारा जरूरी खनिजों के निर्यात पर रोक लगाने की बात भी उठाई। उन्होंने कहा कि रिश्तों को सुधारने के लिए ऐसी रुकावटों से बचना जरूरी है। जयशंकर ने कहा कि द्विपक्षीय संबंधों को बेहतर बनाने के लिए दूर की सोच रखनी होगी।

भारत-चीन संबंध धीरे-धीरे बेहतर हो रहे हैं: उन्होंने कहा कि अक्टूबर 2024 में कजान में हुई बैठक के बाद से भारत-चीन संबंध धीरे-धीरे बेहतर हो रहे हैं। हमारी जिम्मेदारी है कि इस गति को बनाए रखें। जयशंकर, 23 अक्टूबर को कजान में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग के बीच हुई मुलाकात की बात कर रहे थे। इससे पहले, विदेश मंत्री ने चीन के उपराष्ट्रपति हान झेंग से भी मुलाकात की। जयशंकर ने कहा कि भारत और चीन के संबंध सामान्य बने रहने से दोनों देशों को फायदा होगा। सिंगापुर से बीजिंग पहुंचने के बाद उन्होंने हान झेंग से बात की। विदेश मंत्री ने भारत-चीन कूटनीतिक संबंधों की स्थापना की 75वीं वर्षगांठ का भी जिक्र किया। उन्होंने कहा कि कैलाश मानसरोवर यात्रा की बहाली की भारत में भी व्यापक रूप से सराहना की जा रही है। हमारे संबंधों के निरंतर सामान्य होने से दोनों देशों को लाभ होंगे। आज हम जिस अंतरराष्ट्रीय स्थिति में मिल रहे हैं, वह बहुत जटिल है। पड़ोसी देशों और प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं के रूप में, भारत और चीन के बीच विचारों और दृष्टिकोणों का खुला आदान-प्रदान बहुत महत्वपूर्ण है। मैं इस यात्रा के दौरान ऐसी चर्चाओं की आशा करता हूं।

बेसिक स्कूलों में पढ़ाई करने वाले बच्चों के खातों में होंगे 1200 रुपये जमा: सीएम योगी

एजेंसी/लखनऊ

उत्तर प्रदेश के अभिभावकों के लिए बड़ी खुशखबरी है। योगी सरकार सरकारी बेसिक स्कूलों में पढ़ाई करने वाले बच्चों के खातों में 1200 रुपये जमा कराने जा रही है। इस संबंध में अधिकारियों को आदेश जारी किया गया है। सीएम योगी आदित्यनाथ ने सोमवार को लखनऊ में बेसिक शिक्षा विभाग की उच्चस्तरीय समीक्षा बैठक की। बैठक में प्राथमिक शिक्षा की गुणवत्ता को बेहतर बनाने, छात्र उपस्थिति सुनिश्चित करने और विद्यालयीय अधोसंरचना सुदृढ़ करने को लेकर कई अहम निर्देश जारी किए गए।

सीएम योगी ने स्पष्ट कहा कि राज्य में 6 से 14 वर्ष की आयु का कोई भी बच्चा विद्यालय से वंचित नहीं रहना चाहिए। उन्होंने स्कूल चलो अभियान को और प्रभावी ढंग से लागू करने की बात कही, ताकि हर बच्चा स्कूल पहुंचे। उन्होंने ग्राम प्रधान और विद्यालय प्रधानाध्यापक की जिम्मेदारी तय करते हुए कहा कि वे यह सुनिश्चित करें कि कोई बच्चा पढ़ाई से न छूटे। मुख्यमंत्री ने परिषदीय विद्यालयों में अध्ययनरत सभी छात्रों के अभिभावकों के बैंक खातों में यूनिफॉर्म, जूते-मोजे, स्टेशनरी और पाठ्य सामग्री जैसे खर्च के लिए राशि भेजने का आदेश दिया है। बेसिक शिक्षा विभाग के अधिकारियों को सीएम ने 1200 रुपये की सहायता राशि सीधे भेजने का निर्देश दिया।

वंदे भारत ट्रेन पर फिर पत्थरबाजी

पटना। बिहार के मुजफ्फरपुर जिले में वंदे भारत एक्सप्रेस पर एक बार फिर पत्थरबाजी की घटना सामने आई है।

बताया जा रहा है कि रविवार को गोरखपुर-पाटलिपुत्र 26502 वंदे भारत ट्रेन पर मोतीपुर के महम्मदपुर बलमी गांव के पास अज्ञात बच्चों ने पत्थरबाजी कर दी। इस पत्थरबाजी में सी-6 कोच की एक और दो नंबर सीट की खिड़की का शीशा टूट गया। गनीमत रही कि उस वक्त सीट पर कोई यात्री नहीं था, जिससे कोई हताहत नहीं हुआ। घटना के बाद ट्रेन के मुजफ्फरपुर जंक्शन पहुंचते ही टूटा कांच दुरुस्त किया गया. इस संबंध में बापूधाम मोतिहारी आरपीएफ ने अज्ञात के खिलाफ केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

पंचायत प्रतिनिधियों को हथियार का लाइसेंस देने के खिलाफ याचिका दायर

केटी न्यूज/पटना

बिहार सरकार ने पिछले दिनों ऐलान किया था कि अब राज्य के मुखिया और सरपंच समेत पंचायत प्रतिनिधि अपनी आत्मरक्षा के लिए हथियार का लाइसेंस हासिल कर सकते है। सरकार के इस फैसले पर रोक लगाने के लिए पटना हाई कोर्ट में यातिका दायर की गई है।

दरअसल, बिहार विधानसभा चुनाव से पहले बिहार की एनडीए सरकार ने पंचायत प्रतिनिधियों को बड़ी सौगात देते हुए उनकी सैलरी को बढ़ाने का एलान किया था। इस एलान के साथ साथ सरकार ने यह भी घोषणा की थी कि अब राज्य के मुखिया और सरपंच समेत अन्य पंचायत प्रतिनिधि अपनी सुरक्षा के लिए हथियार रख सकते हैं और उसके लिए सरकार उन्हें लाइसेंस मुहैया कराएगी। सरकार के इस फैसले को चुनौती देते हुए पटना हाईकोर्ट में एक जनहित याचिका दाखिल की गई है। अधिवक्ता राजीव रंजन सिंह ने यह जनहित याचिका दाखिल कर फैसले को आगामी विधानसभा चुनाव तक स्थगित करने की मांग की है। राज्य के करीब ढाई लाख पंचायत प्रतिनिधियों को हथियार मिलते हैं तो इसका दुरुपयोग किया जा सकता है। याचिका में राज्य सरकार के साथ साथ मुख्य सचिव, डीजीपी, पंचायती राज विभाग के सचिव और गृह विभाग के अपर मुख्य सचिव को प्रतिवादी बनाया गया है।

भाजपा ने कई मंत्रियों को भेजा नोटिस

पटना। भाजपा लीगल सेल ने नगर विकास मंत्री जीवेश मिश्रा पर नकली दवाओं से जुड़ी टिप्पणी के मामले में सांसद पप्पू यादव, राजद प्रमुख लालू प्रसाद यादव की बेटी रोहिणी आचार्य और बिहार कांग्रेस अध्यक्ष राजेश राम समेत कई नेताओं को कानूनी नोटिस भेजा है।

भाजपा लीगल सेल के समन्वयक आर दीक्षित ने कहा कि अगर इन नेताओं ने 15 दिनों के भीतर सार्वजनिक रूप से माफी नहीं मांगी, तो उनके खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने स्पष्ट किया कि मंत्री जीवेश मिश्रा का किसी भी दवा कंपनी से कोई संबंध नहीं है, न ही वे किसी दवा कंपनी के मालिक हैं।

बता दें कि हाल ही में राजस्थान की राजसमंद कोर्ट ने मंत्री जीवेश मिश्रा को एक 15 साल पुराने नकली दवा मामले में दोषी करार दिया था। हालांकि, उन्हें 7000 का जुर्माना भरने की शर्त पर रिहा कर दिया गया था। इस पर सांसद पप्पू यादव ने सीएम नीतीश कुमार से जीवेश मिश्रा को बर्खास्त करने की मांग की और उन्हें नकली दवा माफिया कहा था। वहीं, आरजेडी नेता रोहिणी आचार्या ने ट्वीट कर राज्य सरकार को लाचार व समझौतावादी कहते हुए कहा था कि नकली दवा कारोबारी आज भी मंत्री पद पर बना हुआ है। कांग्रेस नेता राजेश राठौड़ ने नकली दवाओं के नेटवर्क व उसके राजनीतिक संबंधों की जांच की मांग की थी।

बिहार में एक करोड़ लोगों को नौकरी व रोजगार देने का दावा नीतीश कुमार का चुनाव जुमला: मायावती

एजेंसी/लखनऊ

बिहार विधानसभा चुनाव को लेकर बहुजन समाज पार्टी की राष्ट्रीय अध्यक्ष मुख्यमंत्री मायावती लगातार सक्रिय नजर आ रही हैं। बसपा इस बार बिहार में अकेले चुनाव लड़ने की रणनीति पर काम कर रही है, और पार्टी सुप्रीमो मायावती लगातार राज्य से जुड़े मुद्दों पर अपनी प्रतिक्रियाएं देकर सियासी माहौल में उपस्थिति दर्ज करा रही हैं।

मायावती ने बिहार की नीतीश सरकार पर एक बार फिर तीखा हमला बोला है। उन्होंने राज्य की बिगड़ती कानून व्यवस्था पर सवाल उठाते हुए मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के उस वादे को चुनावी जुमला बताया है, जिसमें उन्होंने चुनाव जीतने के बाद अगले 5 सालों में एक करोड़ लोगों को नौकरी और रोजगार देने की बात कही थी। बसपा सुप्रीमो ने कहा कि बिहार में कानून-व्यवस्था की बदहाल स्थिति की राष्ट्रीय चर्चाओं के बीच शायद लोगों का ध्यान भटकाने के लिए मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने यह घोषणा की है। यह वादा हकीकत से ज्यादा अच्छे दिन जैसे पुराने जुमलों जैसा लगता है। जनता अब राजनीतिक दलों की चाल, चरित्र और चेहरे को अच्छी तरह से पहचानती है। हर चुनाव से पहले विरोधी दल जनता को बहकाने के लिए लोकलुभावने वादों की बौछार कर देते हैं, लेकिन इन वादों का हश्र क्या होता है, यह जनता पिछले कई सालों से खुद देख रही है।

डीजीसीए का आदेश : सभी विमानों में इंजन फ्यूल स्विच की जांच अनिवार्य

787 विमानों के फ्यूल स्विच में लॉकिंग मैकेनिज्म की जांच शुरू

एजेंसी/नई दिल्ली

अहमदाबाद में हुए एअर इंडिया हादसे पर आई विमान दुर्घटना जांच ब्यूरो (एएआईबी) की प्रारंभिक रिपोर्ट आने के बाद नागरिक उड्डयन महानिदेशालय (डीजीसीए) ने बड़ा आदेश जारी किया है। डीजीसीए ने सभी भारतीय रजिस्टर्ड फ्लाइट्स के इंजन फ्यूल स्विच की अनिवार्य जांच के आदेश जारी किए हैं। यह कदम एएआईबी की रिपोर्ट आने के बाद उठाया गया है। जांच पूरी करने की आखिरी तारीख 21 जुलाई 2025 है।

डीजीसीए ने साफ किया है कि यह जांच स्टेट ऑफ डिजाइन/मैन्यूफैक्चर द्वारा जारी किए गए एअर वदीर्नेस डायरेक्टिव के आधार पर जरूरी की गई है। भारत में रजिस्टर्ड सभी विमान, इंजन और कंपोनेंट्स पर यह नियम लागू होगा। डीजीसीए के संज्ञान में आया है कि कई अंतरराष्ट्रीय और घरेलू दोनों तरह के ऑपरेटर्स ने एसएआईबी के मुताबिक अपने विमान बेड़े का निरीक्षण शुरू कर दिया है। प्रभावित विमान के सभी एयरलाइन ऑपरेटरों को सलाह दी जाती है कि वे 21 जुलाई, 2025 तक जांच पूरी कर लें। जांच के बाद निरीक्षण योजना और रिपोर्ट संबंधित क्षेत्रीय कार्यालय को जानकारी देते हुए हुए कार्यालय को प्रस्तुत की जाएगी। बता दें कि दुनिया भर की प्रमुख एयरलाइन कंपनियों ने पिछले महीने हादसे का शिकार हुए एअर इंडिया के एक विमान की जांच में शुरूआती रिपोर्ट आने के बाद बोइंग 787 विमानों के फ्यूल स्विच में लॉकिंग मैकेनिज्म की जांच शुरू कर दी है।

अहमदाबाद हादसे में शामिल विमान वीटी-एएनबी का 2023 से रखरखाव रिकॉर्ड साफ-सुथरा था। रिपोर्ट के अनुसार सभी जरूरी जांच की गई थी और विमान के पास वैध उड़ान योग्यता प्रमाणपत्र थे। स्विच और उनके लॉकिंग मैकेनिज्म पर तब से ध्यान दिया जा रहा है, जब एयर इंडिया की फ्लाइट एआई 171 हादसे की शुरूआती जांच में कहा गया था।

सावन की पहली सोमवारी पर शिवमय बना बक्सर, शिवालयों में गूंजता रहा हर हर महादेव

♦ ब्रह्मेश्वर नाथ व रामेश्वर नाथ मंदिर रहा आस्था का केन्द्र

केटी न्यूज/बक्सर

सावन की पहली सोमवारी पर जिले के प्रमुख शिवालयों में शुमार ब्रह्मेश्वरनाथ और रामेश्वरनाथ मंदिरों में श्रद्धालुओं का आस्था का सैलाब उमड़ पड़ा। गंगा जल से जलाभिषेक करने के लिए हजारों कांवरिए और स्थानीय श्रद्धालु तड़के तीन बजे से ही मंदिर परिसर में जुटने लगे। ह्यहर-हर महादेवह्ण और ह्यबोल बमह्ण के गगनभेदी नारों से पूरा इलाका शिवमय हो गया। ब्रह्मेश्वरनाथ व रामेश्वरनाथ के अलावे बक्सर के नाथ बाबा शिव मंदिर, इटाढ़ी के सोखाधाम, डुमरांव के जंगलीनाथ, महरौरा व लंगटू महादेव शिव मंदिरों के अलावे कचईनियां स्थित कंचनेश्वर धाम, मुंगाव स्थित मुंगेश्वरनाथ आदि शिवमंदिरों में दोपहर तक श्रद्धालुओं की भारी भीड़ देखी गई। इस दौरान श्रद्धालु भक्तों द्वारा लगाए जा रहे जयघोष से से इलाका शिवमय बना रहा। वहीं, एनएच 922 पर पूरी रात बोल बम के नारे गूंजते रहे।

40 किलोमीटर पदयात्रा कर ब्रह्मेश्वरनाथ मंदिर पहुंचे श्रद्धालु : बता दें कि सावन के प्रत्येक सोमवार पर शिवभक्त बक्सर स्थित रामरेखा घाट पर गंगा स्नान करने के बाद गंगाजल लेकर पैदल 40 किलोमीटर दूर बाबा ब्रह्मेश्वरनाथ को जलाभिषेक करने जाते है। सावन के पहले सोमवारी पर ब्रह्मेश्वरनाथ शिव मंदिर में अहले सुबह से ही करीब 500 मीटर लंबी कतार लग गई थी। बक्सर, रोहतास, कैमूर तथा यूपी के सीमावर्ती बलिया व गाजीपुर जिलों से आए कांवरिए रामरेखा घाट से गंगाजल भरकर करीब 40 किलोमीटर की पदयात्रा कर बाबा के दरबार में जल चढ़ाने पहुंचे। एक अनुमान के मुताबिक पहली सोमवारी पर करीब 50 हजार श्रद्धालुओं ने बाबा ब्रह्मेश्वरनाथ को जलाभिषेक किया है।

मनोकामना महादेव कहलाते हैं बाबा ब्रह्मेश्वरनाथ

ब्रह्मेश्वरनाथ मंदिर को मनोकामना महादेव के नाम से भी जाना जाता है। मान्यता है कि यहां जलाभिषेक करने से भक्तों की हर इच्छा पूरी होती है। सावन के महीने में इस मंदिर का महत्व और अधिक बढ़ जाता है। पूरा वातावरण भक्तिभाव से सराबोर हो गया है।श्रद्धालुओं की भारी भीड़ को देखते हुए जिला प्रशासन ने सुरक्षा और यातायात नियंत्रण के पुख्ता इंतजाम किए थे। मंदिर परिसर और मुख्य रास्तों पर गाड़ियों की आवाजाही पर रोक लगा दी गई थी। निर्धारित जगहों पर बैरेकेडिंग लगाने के साथ ही ब्रह्मपुर के सभी निकास द्वार पर ड्राप गेट बनाए गए थे। इसके आगे वाहनों को ले जाने की अनुमति नहीं थी। प्रशासन द्वारा यातायात के लिए वैकल्पिक मार्ग तय किए गए थे। जगह-जगह बैरिकेडिंग की गई है और पुलिस बल, होमगार्ड, दंडाधिकारी व महिला सिपाहियों की तैनाती की गई थी। ताकि, श्रद्धालुओं को किसी तरह की परेशानी न हो। बक्सर नगर क्षेत्र स्थित रामरेखा घाट के पास रामेश्वरनाथ मंदिर में भी सुबह से ही श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ी। यहां की मान्यता है कि भगवान श्रीराम ने इस शिवलिंग की स्थापना अपने हाथों से की थी, इसी कारण यह स्थान रामेश्वरनाथ कहलाता है। भक्त गंगा स्नान के बाद जल और दूध से शिवलिंग का अभिषेक कर रहे हैं। बच्चों से लेकर बुजुर्गों और महिलाओं तक में पूजा को लेकर भारी उत्साह दिखा।

एक नजर

महिलाओं की भागीदारी से दमदार होगी 20 जुलाई की महापंचायत : रवि उज्ज्वल

डुमरांव। डुमरांव प्रखंड के विभिन्न गांवों का दौरा करते हुए जदयू नेता रवि उज्ज्वल कुशवाहा ने 20 जुलाई को प्रस्तावित दलित, महादलित, पिछड़ा, अतिपिछड़ा एवं अल्पसंख्यक महापंचायत को सफल बनाने की अपील की। सोमवार को अपने जनसंपर्क अभियान के दौरान उन्होंने ग्रामीणों से संवाद करते हुए कहा कि यह महापंचायत सामाजिक न्याय और अधिकारों की लड़ाई का एक बड़ा मंच साबित होगा। रवि उज्ज्वल ने कहा कि आज भी समाज के 90 प्रतिशत लोग अपने अधिकारों और भागीदारी के लिए संघर्ष कर रहे हैं। जिस नेता के साथ यह 90 प्रतिशत आबादी खड़ी होगी, जीत उसी की होगी। लेकिन यह साथ उसे ही मिलेगा, जो इनके अधिकार की बात करेगा, उनके हक की लड़ाई लड़ेगा और निस्वार्थ भाव से उनके साथ खड़ा होगा। उन्होंने बताया कि इस महापंचायत में महिलाओं की भी भारी भागीदारी देखी जा रही है। गांव-गांव में महिलाओं का जोश और जागरूकता इस बात का संकेत है कि अब वे भी अपने अधिकारों को लेकर सजग हो चुकी हैं। महिलाओं की उपस्थिति इस आयोजन को और भी सशक्त बनाएगी। दौरे के दौरान उनके साथ बीरेंद्र कुशवाह, तेज नारायण, अमन कुमार, राम वचन, मदन साहनी एवं सत्यनारायण ठाकुर भी मौजूद रहे।

शिव मंदिर दर्शन से लौट रहे युवकों की आमने-सामने मारी टक्कर, तीन घायल

डुमरांव। सोमवार को जंगलीनाथ शिव मंदिर के समीप दो बाइक के बीच आमने-सामने की टक्कर हो गई, जिसमें तीन युवक घायल हो गए। एक की हालत गंभीर बताई जा रही है। हादसे के समय एक बाइक पर सवार दो युवक भगवान शिव के दर्शन कर लौट रहे थे, तभी सफाखाना रोड की ओर से तेज गति से आ रही दूसरी बाइक ने टक्कर मार दी। घायलों की पहचान डुमरांव निवासी कृष्णा कुमार पिता मंचन चौधरी, रौशन कुमार पिता राजकुमार और सचिन केशरी पिता संतोष केशरी के रूप में हुई है। जानकारी के अनुसार कृष्णा और रौशन एक बाइक पर सवार थे, जबकि सचिन दूसरी बाइक चला रहा था। प्रभारी थानाध्यक्ष मतेंद्र कुमार ने बताया कि पुलिस मामले की जांच कर रही है। हादसे के कारणों और बाइक की रफ्तार की जांच की जा रही है।

बकरी को बचाने में बाइक पलटी, दो युवक घायल

चौसा। सोमवार की दोपहर चौसा-कोचस मुख्य मार्ग पर यादव मोड़ के समीप एक दर्दनाक सड़क हादसा हो गया। सड़क पर अचानक आई एक बकरी को बचाने के चक्कर में बाइक अनियंत्रित होकर पलट गई, जिससे दो युवक घायल हो गए। घायलों की पहचान डुमरांव निवासी मनोज कुमार (28 वर्ष) एवं उनके छोटे भाई अमित कुमार (18 वर्ष) के रूप में हुई है। दोनों को गंभीर हालत में स्थानीय लोगों की मदद से चौसा सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) में भर्ती कराया गया, जहां उनका इलाज चल रहा है।

बक्सर के कलाकारों के लिए सुनहरा मौका

बक्सर। कलाकारों को डिजिटल पहचान और राज्यस्तरीय मंच उपलब्ध कराने के उद्देश्य से बिहार सरकार ने बिहार कलाकार पंजीकरण पोर्टल की शुरुआत की है। इस पोर्टल के माध्यम से जिले के पारंपरिक, लोक और आधुनिक कलाओं से जुड़े सभी कलाकार ऑनलाइन पंजीकरण कर सरकारी योजनाओं का लाभ उठा सकते हैं।जिला कला एवं संस्कृति पदाधिकारी बक्सर से मिली जानकारी के अनुसार, यह पोर्टल कलाकारों को पहचान दिलाने के साथ ही लुप्त होती कलाओं के संरक्षण में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। सरकार का उद्देश्य है कि राज्य के हर कलाकार को प्रशिक्षण, पुरस्कार और सांस्कृतिक आयोजनों से जोड़कर उनकी कला को व्यापक मंच प्रदान किया जाए। पंजीकरण कराने वाले कलाकारों को एक यूनिक आईडी दी जाएगी, जिसके माध्यम से वे सरकारी योजनाओं, कार्यशालाओं और सांस्कृतिक कार्यक्रमों में भाग ले सकेंगे। साथ ही यह पोर्टल कलाकारों के लिए रोजगार के नए अवसर भी उत्पन्न करेगा। जिला कला एवं संस्कृति पदाधिकारी ने जिले के सभी कलाकारों से अपील की है कि वे जल्द से जल्द पोर्टल पर जाकर अपना पंजीकरण कराएं। यदि पंजीकरण में किसी प्रकार की तकनीकी समस्या आती है, तो कलाकार जिला कला एवं संस्कृति कार्यालय से संपर्क कर सहायता प्राप्त कर सकते हैं।

हुआ खुलासा: वैज्ञानिक पद्धति से जांच में नया भोजपुर पुलिस को मिली सफलता

चोरी का माल खपाने वाले तीन सर्राफा व्यवसायी गिरफ्तार, मशीन बरामद

♦ 8 जून को एक सैनिक से हुई थी छह लाख के गहनों की उचक्कई, पूर्व में एक को पुलिस ने किया था गिरफ्तार

केटी न्यूज/डुमरांव

चोरी का माल (आभूषण) खपाने वाले तीन सर्राफा व्यवसायियों को नया भोजपुर पुलिस ने गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार व्यवसायियों में बक्सर के दो सगे भाई तथा एक डुमरांव निवासी आभूषण व्यवसायी शामिल है। तीनों डुमरांव में ही रह चोरों से चोरी का आभूषण खरीद उसे गलाकर दूसरा आभूषण बना मोटी रकम कमाते थे।

गिरफ्तार व्यवसायियों में बक्सर के मुरारी वर्मा व सागर वर्मा के अलावे डुमरांव निवासी गोविंद वर्मा उर्फ सिप्पी शामिल है। पुलिस ने उनके पास से चोरी के चार ग्राम सोना के अलावे आभूषण गलाने वाली एक मशीन भी बरामद की है। उनकी गिरफ्तारी वैज्ञानिक पद्धति से हुए अनुसंधान के बाद की गई है। नया भोजपुर थानाध्यक्ष मनीष कुमार ने उनकी गिरफ्तारी की पुष्टि की है। थानाध्यक्ष ने बताया कि तीनों के खिलाफ पुख्ता साक्ष्य मिले है। आवश्यक पूछताछ के बाद उन्हें जेल भेज दिया गया है।

चोरी मामले में गिरफ्तार ऑटो चालक के निशानदेही पर मिली सफलता : थानाध्यक्ष ने बताया कि चक्की के विश्वेश्वर डेरा निवासी तथा भारतीय थल सेना के जवान कमलेश कुमार यादव 8 जून को अपने गांव से नया भोजपुर तक एक ऑटो रिक्शा से आए थे। नया भोजपुर में उतरने के बाद वे डुमरांव जाने वाले थे, लेकिन यहां उन्हें शक हुआ कि टेम्पो के पीछे रखे बैग से उनकी पत्नी के आभूषण गायब है। जब उन्होंने बैग खोलकर तलाशी ली तो उनका शक सही निकला। उचक्कों ने बैग में रखे फौजी के पत्नी के सोने के मंगलसूत्र, झूमका, टॉप, चेन, अंगूठी आदि चुरा ली थी, जिसकी कीमत करीब छह लाख रूपए आंकी गई। इस मामले में फौजी ने नया भोजपुर थाने में अज्ञात चोरों के खिलाफ एफआईआर दर्ज कराया।

एसडीपीओ ने किया था एसआईटी का गठन : इस मामले के उद्भेदन के लिए एसडीपीओ अफाक अख्तर अंसारी ने डुमरांव के सर्किल इंस्पेक्टर श्रीनाथ के नेतृत्व में एक एसआईटी का गठन किया था, जिसमें नया भोजपुर थानाध्यक्ष मनीष कुमार तथा नया भोजपुर थाने के पुलिस पदाधिकारी व सशस्त्र बल शामिल थे। इस टीम ने सीसीटीवी कैमरों के आधार पर ऑटो चालक कृष्णाब्रह्म थाना क्षेत्र के नोनियापुरा गांव निवासी राकेश कुमार उर्फ केवट की शिनाख्त की तथा उसे गिरफ्तार कर पूछताछ किया। इस दौरान पूरे गिरोह का राज खुल गया। केवट के मोबाईल की कॉल डिटेल्स निकालने पर पुलिस को इस बात की जानकारी मिली कि इस मामले में कुछ आभूषण व्यवसायी भी चोरों से मिले हुए है, जो चोरी के माल को खपाकर मोटा मुनाफा कमा रहे है। कॉल डिटेल्स व वैज्ञानिक पद्धति से जांच में बक्सर निवासी सगे भाई मुरारी वर्मा तथा सागर वर्मा के अलावे डुमरांव निवासी गोविंद वर्मा की भूमिका भी संदिग्ध मिली। जिसके बाद पुलिस ने इनके खिलाफ साक्ष्य जुटा इन्हें धर दबोचा। इसके बाद उनसे पूछताछ की गई। इसके बाद मामले का खुलासा हुआ।

संगठित गिरोह की तरह कर रहे थे काम : थानाध्यक्ष ने बताया कि इस वारदात में चोरी की घटना को अंजाम देने वाले चोरों के साथ ही ऑटो चालक तथा आभूषण व्यवसायी मिलकर एक संगठित गिरोह चला रहे थे। वहीं दूसरी ओर स्थानीय लोगों का कहना है कि शहर के विभिन्न इलाकों में ई-रिक्शा या मंदिरों में महिलाओं के गले में सोने का चैन या अन्य आभूषण की चोरी होती है। उसे बक्सर के सोनपट्टी के कुछ दुकानदारों के यहां खपा दिया जाता है। पीड़ित महिलाएं रोती रह जाती है। परंतु उनका गहना नहीं मिल पाता है।

वहीं जानकार सूत्रों का कहना है कि कई महिलाएं भी यूपी सहित अन्य इलाकों से आ रही है। जो आभूषणों पर हाथ फेरती है। उन लोगों का गिरोह होता है। वह आसानी से हाथ फेरने के बाद उसे बक्सर स्थित सोनरपट्टी में इस बेचकर निकल जाती है। पीड़ित महिला योगिता सिंह का कहना है कि नगर थाना के समक्ष उनका सोने का कीमती हार चोरी हुआ था। उन्होंने नगर थाना में आवेदन देकर प्राथमिकी दर्ज करायी। साथ ही उन्होंने पुलिस से आग्रह किया था कि नगर थाना में लगे सीसीटीवी कैमरा को निरीक्षण किया जाए। जिससे उन महिलाओं की पहचान हो जाएगी। परंतु थाना के स्तर से टाल-मटोला होता रहा। उसे चेक नहीं किया गया। यदि समय रहते चेक कर लिया जाता। तब एक गिरोह का भंड़ा-फोड़ हो जाता। इससे स्थानीय लोगों में काफी नाराजगी है।

कुमार अर्थोपेडिक क्लिनिक
Mob : 9122226720
डॉ0 वीरेन्द्र कुमार
अर्थोपेडिक सर्जन
M.B.B.S., D. Ortho PMCH
एफ. आई. एम. एस. (युके)
हड्डी. नस. गठिया रोग विशेषज्ञ
डॉ0 अरूण कुमार
M.B.B.S., D.N.B. (New Delhi)
FMAS (New Delhi), DMAS (Germany)
पेट रोग विशेषज्ञ
जेनरल एवं लेप्रोस्कोपिक सर्जन
डॉ. एस. के. अम्बष्ठा
M.B.B.S., M.D. (Gold Medalist)
Dermatologist & Cosmetologist
चर्म रोग, कुष्ट रोग, सौंदर्य एवं गुप्त रोग विशेषज्ञ
(Skin, VD, Laprosy & Cosmetics)
SKIN SPECIALIST
पताः- सुमित्राा महिला कॉलेज से पूरब, ढ़ेलवानी मोड़, डुमरांव

गौशाला में रखी गईं 81 बेसहारा गायें, बजट और व्यवस्था पर उठ रहा सवाल

♦ गौशाला कमेटी ने डीएम से की सहयोग की मांग, किराया मद पर उठे सवाल

केटी न्यूज/बक्सर

शहर की आदर्श गौशाला में इन दिनों 81 असहाय, बीमार और बूढ़ी गायों को आश्रय दिया गया है। ये सभी गायें पशु क्रूरता से बचाकर प्रशासनिक आदेश पर गौशाला में लाई गई हैं। गौशाला कमेटी के सचिव अनिल मानसिंहका ने बताया कि एक गाय पर प्रतिदिन लगभग 100 रूपए का खर्च आता है, जिसमें दवा, चारा और देखभाल शामिल है। इसके बावजूद पशुपालन विभाग से सालाना मात्र तीन लाख रुपये की सहायता दी जाती है, जो नाकाफी साबित हो रही है। गौशाला कमेटी ने डीएम को एक आवेदन सौंपकर गायों की बेहतर देखभाल के लिए अतिरिक्त फंड, शेड निर्माण और भोजन की स्थायी व्यवस्था की मांग की है। सचिव ने यह भी बताया कि मौखिक आदेश पर प्रशासन और थाना प्रभारी गायों को गौशाला में छोड़ देते हैं, जबकि वहां जगह की कमी है। हाल ही में कुछ बीमार गायों के इलाज में लापरवाही का मामला सामने आया, जिसकी जानकारी मिलते ही सदर एसडीएम अविनाश कुमार ने हस्तक्षेप किया। उन्होंने कमेटी से आय-व्यय समेत सभी संबंधित कागजात तलब किए, जिन्हें गौशाला प्रशासन ने सौंप भी दिया है।

जानकारों का कहना है कि गौशाला के पास मौजूद करीब 30 दुकानों से किराया वसूला जा रहा है, कर दुकान से 3 हजार से अधिक की प्रतिमाह किराया लिया जा रहा है। ऐसे में प्रतिमाह करीब एक लाख रुपये किराया आ रहा है। वह राशि कहा जा रही है। वहीं सदर एसडीएम एवं गौशाला कमेटी के अध्यक्ष अविनाश कुमार ने बताया कि पूरे मामले की जांच जारी है। सभी दस्तावेजों की समीक्षा के बाद ही किसी निष्कर्ष पर पहुंचा जा सकेगा।

नावानगर सीएचसी में परिवार नियोजन मेला का आयोजन

नावानगर। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र नावानगर में जनसंख्या स्थिरता पखवाड़ा के तहत सोमवार को परिवार नियोजन मेला का आयोजन किया गया। मेले का उद्घाटन बीडीओ मनोज कुमार, प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी डॉ. कमलेश कुमार तथा चिकित्सा पदाधिकारी डॉ. संजय कुमार ने संयुक्त रूप से फीता काट कर किया। डॉ. कमलेश कुमार ने कहा कि जनसंख्या नियंत्रण आज के समय की आवश्यकता है। बढ़ती जनसंख्या के कारण परिवार की समुचित देखभाल करना कठिन होता जा रहा है। मेले में परिवार नियोजन से संबंधित सभी अस्थायी और स्थायी साधनों की जानकारी देने हेतु अलग-अलग स्टॉल लगाए गए। मेला परिसर में माला-एन, पीपी आईयूसीडी, आईयूसीडी, अंतरा, छाया, निरोध सहित अन्य अस्थायी साधनों के स्टॉल लगाए गए थे। वहीं स्थायी साधनों के लिए अलग से काउंसलर की व्यवस्था की गई थी।

छात्रों को जोड़े योजनाओं से : डीएम

♦ डीएम ने किया योजनाओं की समीक्षा

केटी न्यूज/बक्सर

सोमवार को बक्सर के जिला निबंधन एवं परामर्श केन्द्र में संचालित योजनाओं की प्रगति और रैंकिंग को लेकर एक महत्वपूर्ण समीक्षा बैठक का आयोजन किया गया। बैठक की अध्यक्षता जिलाधिकारी डॉ. विद्यानन्द सिंह ने की। बैठक का मुख्य उद्देश्य विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं की समीक्षा करना और उन्हें और प्रभावी तरीके से लागू करने के लिए दिशा-निर्देश देना था। बैठक के दौरान जिला योजना पदाधिकारी ने जिले की उपलब्धियों से जिला पदाधिकारी को अवगत कराया। जानकारी दी गई कि बक्सर जिले ने राज्य में बिहार स्टूडेंट क्रेडिट कार्ड योजना में दूसरा स्थान प्राप्त किया है, वहीं मुख्यमंत्री स्वयं सहायता भत्ता और कुशल युवा कार्यक्रम दोनों में तीसरा स्थान पाया गया है। इन उपलब्धियों के बावजूद जिला पदाधिकारी ने योजनाओं के लक्ष्य और प्रगति की गहन समीक्षा करते हुए और बेहतर प्रदर्शन के निर्देश दिए।उन्होंने संबंधित पदाधिकारियों को स्पष्ट रूप से निर्देशित किया कि जिले की रैंकिंग को और बेहतर बनाने के लिए जमीनी स्तर पर काम किया जाए। विशेष रूप से जीविका दीदियों और विकास मित्रों को इन योजनाओं से जोड़ने पर बल दिया गया ताकि जनसामान्य तक योजनाओं की पहुंच बढ़े और लाभार्थियों की संख्या में इजाफा हो सके। कुशल युवा कार्यक्रम के तहत बक्सर जिले में वर्तमान में कुल 4313 छात्र-छात्राएं प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे हैं।

दुग्ध उत्पादकों के बीच किया गया बोनस का वितरण

नावानगर । प्रखंड के भटौली गांव में शाहाबाद दुग्ध उत्पादक सहकारी संघ लिमिटेड, आरा द्वारा संचालित भटौली दुग्ध उत्पादक सहयोग समिति की ओर से बोनस वितरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता समिति के अध्यक्ष शंकर यादव ने की, जबकि संचालन शारदा सिंह ने किया। कार्यक्रम में शाहाबाद दुग्ध उत्पादक सहकारी संघ लिमिटेड, आरा के कई पदाधिकारी बतौर मुख्य अतिथि मौजूद रहे।

ग्रामीणों को दिए गए जनसंख्या नियंत्रण के उपायों की जानकारी

सितंबर में बनकर तैयार हो जाएगा चौसा आरओबी का पहुंच पथ

केटी न्यूज/बक्सर

वर्षों से प्रतीक्षित चौसा रेल ओवरब्रिज (आरओबी) का अधूरा पहुंच पथ अब जल्द ही पूर्णता की ओर अग्रसर है। राज्य पुल निर्माण निगम द्वारा बनाए जा रहे इस ओवरब्रिज के संपर्क पथ को लेकर जहां अब तक असमंजस की स्थिति बनी हुई थी, वहीं अब पुल परियोजना पदाधिकारी ने स्पष्ट किया है कि सितंबर 2025 तक इसका निर्माण कार्य पूर्ण कर लिया जाएगा।

पुल परियोजना पदाधिकारी ने बताया कि कुछ तकनीकी कारणों एवं जमीन अधिग्रहण की प्रक्रियागत अड़चनों के कारण कार्य में अपेक्षित गति नहीं आ सकी थी। हालांकि अब भी अधिग्रहण सम्बन्धी कुछ कार्य जिला भूअर्जन में है। अन्य बाधाएं दूर कर ली गई हैं और कार्य युद्धस्तर पर जारी है। उन्होंने भरोसा दिलाया कि आगामी सितंबर तक संपर्क पथ पूरी तरह तैयार हो जाएगा, जिससे ओवरब्रिज को आम जनता के लिए पूरी तरह से खोला जा सकेगा।

गौरतलब हो कि चौसा रेलवे स्टेशन के समीप बनाए जा रहे इस ओवरब्रिज का मुख्य ढांचा पूर्व ही तैयार कर लिया गया था। लेकिन उसके दोनों ओर का संपर्क मार्ग अधूरा रहने से इसका लाभ लोगों को नहीं मिल पा रहा था। इस कारण क्षेत्रवासियों एवं यात्रियों को भारी परेशानी झेलनी पड़ रही थी। रेल फाटक पर जाम व बरसात के मौसम में कीचड़ और जलजमाव के कारण मार्ग से गुजरना बेहद कठिन हो जाता है। स्थानीय लोगों ने कई बार अधूरी परियोजना के खिलाफ नाराजगी जताई थी। जनप्रतिनिधियों और सामाजिक संगठनों ने भी प्रशासन से मांग की थी कि कार्य में तेजी लाई जाए। अब पुल विभाग की ओर से दी गई निश्चित समय-सीमा ने लोगों को एक बार फिर उम्मीद दी है। वहीं दूसरी ओर इस पुल का पूर्ण निर्माण नहीं होने के कारण आम जनता को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। कई बार घंटों जाम की स्थिति हो जाती है। वहीं पुल निर्माण विभाग परियोजना पदाधिकारी अखिलेश कुमार ने यह भी कहा कि निर्माण कार्य की गुणवत्ता पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है और सुरक्षा मानकों का पालन करते हुए ही संपर्क पथ तैयार किया जा रहा है। यदि मौसम व भू-अर्जन के मामले ने साथ दिया तो तय समय से पहले ही कार्य पूरा कर लिया जाएगा।

मधुबन मैरिज हॉल
आपके सपनों का विवाह स्थल
अब आपके शहर बक्सर में विवाह, रिसेप्शन, मैरेज एनिवर्सरी, जन्मदिन और सभी शुभ अवसरों के लिए एक भव्य और सुविधाजनक उपलब्ध है स्थल
विशेषताएंः
- विशाल और सुसज्जित हॉल
- आकर्षक स्टेज डेकोरेशन
- ठहरने की उत्तम व्यवस्था (एसी/नॉन-एसी कमरे)
- बड़ा पार्किंग एरिया
- 24x7 बिजली और पानी की सुविधा
- साफ-सुथरा और हाइजीनिक किचन एरिया
- बजट के अनुसार पैकेज उपलब्ध
- हर आयोजन को बनाएं यादगार, सिर्फ मधुबन मैरिज हॉल के साथ
अखिलेश्वर पाठक
प्रोपराइटर

सारीमपुर, बक्सर
बुकिंग के लिए संपर्क करें: +91 7061608901

संक्षिप्त समाचार

झारखंड का स्वास्थ्य मॉडल असम में लागू, बकाया राशि के नाम पर शव रोकने पर रोक

रांची, एजेंसी। झारखंड सरकार के स्वास्थ्य विभाग द्वारा लागू किए गए एक सफल मॉडल ने न केवल राज्य में स्वास्थ्य सेवाओं को मानवीय संवेदनाओं से जोड़ा है, बल्कि इसे अब असम सरकार ने भी अपनाया है। इस मॉडल के तहत, मरीज की मृत्यु के बाद अस्पतालों द्वारा बकाया राशि के बहाने शव रोके रखने की घटनाओं पर पूरी तरह से रोक लगा दी गई है। राज्य के स्वास्थ्य मंत्री डॉ। इरफान अंसारी की इस पहल को अपनाते हुए असम सरकार ने अपने राज्य में भी ऐसा ही आदेश जारी किया है। इस कदम को न केवल प्रशासनिक, बल्कि सामाजिक और राजनीतिक दृष्टि से भी महत्वपूर्ण माना जा रहा है। झारखंड में लंबे समय से अस्पतालों द्वारा बकाया राशि के बहाने शव रोके रखने की शिकायतें सामने आ रही थीं। आर्थिक तंगी के कारण कई परिवार अपने परिजनों के शवों को समय पर दाह संस्कार के लिए नहीं ले जा पाते थे, जिससे उनकी परेशानी और बढ़ जाती थी। इन शिकायतों को गंभीरता से लेते हुए स्वास्थ्य मंत्री डॉ। इरफान अंसारी ने जून में एक सख्त निर्देश जारी किया था, जिसमें सभी अस्पतालों को मृत्यु के बाद शव तुरंत परिजनों को सौंपने का आदेश दिया गया था। इस निर्णय का उद्देश्य गरीब और ज़रूरतमंद परिवारों को सम्मानजनक तरीके से अंतिम संस्कार की सुविधा प्रदान करना था।

इस नीति को लागू करने के लिए डॉ। इरफ़ान अंसारी ने न केवल अस्पताल संचालकों से बात की, बल्कि स्वयं कई बार अस्पतालों का दौरा भी किया और संचालकों को इसके लिए राजी किया। उनके इस कदम ने न केवल स्वास्थ्य सेवाओं में पारदर्शिता को बढ़ावा दिया, बल्कि मानवीय संवेदनशीलता को भी प्राथमिकता दी। उन्होंने एक्स पर लिखा कि यह निर्णय कांग्रेस की सेवा भावना और मानवीय संवेदनशीलता से प्रेरित है। हमारा उद्देश्य हर वर्ग को सम्मानजनक विदाई देना है। झारखंड के लिए यह गर्व की बात है कि अन्य राज्यों ने भी हमारी पहल को अपनाना शुरू कर दिया है। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के मार्गदर्शन में हम अंतिम पायदान पर बैठे लोगों तक स्वास्थ्य सुविधाएँ पहुँचाने के लिए प्रतिबद्ध हैं।

झारखंड सरकार स्वास्थ्य सुविधाओं के विस्तार पर निरंतर काम कर रही है, और इसका लक्ष्य जन कल्याण है। डॉ। अंसारी ने यह भी कहा कि यह उनके लिए संतोष और गर्व की बात है कि उनके द्वारा किए गए प्रयासों का अनुसरण अन्य राज्य भी कर रहे हैं। झारखंड सरकार ने हाल के वर्षों में स्वास्थ्य सेवाओं को बेहतर बनाने के लिए कई कदम उठाए हैं। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के नेतृत्व में राज्य में मेडिकल कॉलेजों और जिला अस्पतालों की सुविधाओं को बढ़ाने पर ज़ोर दिया जा रहा है। स्वास्थ्य मंत्री डॉ। इरफान अंसारी ने भी जनता दरबार जैसे आयोजनों के ज़रिए लोगों की समस्याओं को सुनने और उनका समाधान करने की कोशिश की है। हाल ही में उनके जनता दरबार में एक युवती ने अपने पिता के कैंसर के इलाज के लिए मदद मांगी थी, जिस पर उन्होंने तुरंत कार्रवाई की।

दुमका से बासुकीनाथ तक बनेगी फोरलेन सड़क, आ गया रूट चार्ट; जमीन अधिग्रहण की प्रक्रिया हुई तेज

दुमका, एजेंसी। देवघर से बासुकीनाथ तक बन रहा फोरलेन सड़क का निर्माण आने वाले दिनों में दुमका तक होगा। मतलब देवघर से लेकर दुमका तक फोरलेन सड़क का निर्माण कराया जाएगा। पहले फेज में अभी देवघर से बासुकीनाथ तक फोरलेन सड़क का निर्माण कार्य तेजी से चल रहा है। इसके बाद दूसरे फेज में बासुकीनाथ से दुमका तक फोरलेन सड़क निर्माण की स्वीकृति मिल गई है। स्वीकृति मिलने के बाद दुमका से बासुकीनाथ के बीच फोरलेन सड़क के लिए जमीन अधिग्रहण की प्रक्रिया शुरु कर दी गई है। इसके अलावा दुमका के एडीबी दुमका–रामपुरहाट से चिंगलपहाड़ी चूटोनाथ रिंग रोड और जरमुंडी–बेलदाहा–नीमानाथ पथ निर्माण के लिए भी जमीन अधिग्रहण की प्रक्रिया शुरु कर दी गई है। दुमका जिला भू–अर्जन कार्यालय से मिली जानकारी के मुताबिक दुमका–बासुकीनाथ फोरलेन पथ के लिए मुख्य रूप से दुमका, जामा और जरमुंडी प्रखंड के 23 मौजों की जमीन अधिग्रहित करने की प्रक्रिया शुरु कर दी गई है।इसके लिए सरकारी जमीन तकरीबन 112 ।4427616 एकड़ और निजी जमीन तकरीबन 21 ।2247096 एकड़ जमीन अधिग्रहित की जाएगी। विभाग की ओर जमीन अधिग्रहण के लिए प्रारंभिक अधिसूचना प्रकाशित करने की प्रक्रिया शुरु कर दी गई है।

बासुकीनाथ समेत गिरिडीह के हरिहर धाम में भक्तों का तांता,

प्रदेश के विभिन्न शिवालयों में भी हो रहा बाबा भोले का जलाभिषेक

दुमका,गिरिडीह, एजेंसी। पवित्र सावन महीने की पहली सोमवारी आज है। ऐसे में इलाके के विभिन्न शिवालयों में श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ने लगी है। उनके द्वारा बाबा भोले पर जलाभिषेक किया जा रहा है एवं पूजा अर्चना की जा रही है।

गिरिडीह जिला के अनोखे शिव मंदिर हरिहर धाम में भी श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़नी शुरू हो गई है। मंदिर का पट खुलते ही श्रद्धालु यहां पहुंचने लगे हैं और बाबा भोले पर जलाभिषेक कर सुखमय जीवन की कामना करने लगे हैं।

बगोदर से 2 किलोमीटर दूरी पर रांची-दुमका मेन रोड पर बाबा भोले की मंदिर है। जिसे हरिहर धाम मंदिर कहा जाता है। मंदिर का आकार शिव लिंगाकर है। ऐसे में इस मंदिर के प्रति लोगों की अटूट आस्था है। श्रद्धालुओं का मानना है कि यहां पूजा-अर्चना करने से मन्नतें पूरी होती है। मंदिर के पुजारी विजय कुमार पाठक ने बताया कि मंदिर का पट खुलते ही श्रद्धालुओं का आगमन यहां शुरू हो गया है और उनके द्वारा बाबा भोले पर जलाभिषेक किया जा रहा है। मंदिर के प्रबंधक भीम यादव ने श्रद्धालुओं से अपील किया है कि वह सावन महीने के सोमवारी के मौके पर पूजा-अर्चना के लिए महंगी वस्तुएं साथ लेकर मंदिर नहीं पहुंचे। चूंकि भीड़- भाड़ में चोर-उचक्कों की नजर कीमती वस्तुओं पर रहता है और कभी-कभार उनके द्वारा उन वस्तुओं की चोरी कर ली जाती है।

विश्व प्रसिद्ध बाबा बासुकीनाथ धाम मंदिर में सावन माह की प्रथम सोमवारी पर जलअर्पण के

लिए सुबह से ही कांवरियों की लंबी कतार लगी है। पवित्र सावन माह के पहली सोमवारी पर बाबा बासुकीनाथ धाम में श्रद्धालुओं का हुजूम उमड़ पड़ा है। सावन माह की सोमवारी के दिन का हिंदू धर्म में खास महत्व समझा जाता है और भोलेनाथ को जलार्पण के लिए श्रद्धालुओं में खासा उत्साह देखा जा रहा है।

श्रद्धालु देर रात से ही कांवरिया रूट लाइन में कतार बद्ध होकर अपनी बारी का इंतजार करते दिखे। सुबह मंदिर का पट खुलते ही श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ पड़ी। श्रद्धालुओं की भीड़ को देखते हुए प्रशासन द्वारा अरघा के माध्यम से जलार्पण कराया जा रहा है। सुरक्षा के दृष्टिकोण से सभी प्वाइंटों पर दंडाधिकारी के साथ पुलिस बल की तैनाती की गई है।गेरुआ धारी भक्तों से बासुकीनाथ नगरी शिवमय नजर आ रही है, चहुंओर बोल बम के नारे गूंजायमान हो रहे हैं। डीडीसी दुमका सह बरिया दंडाधिकारी अनिकेत सचान ने कहा कि हम लोगों ने प्रशासनिक व्यवस्था काफी अच्छी कर रखी है ताकि आने वाले देवतुल्य श्रद्धालुओं को जल अर्पण करने में किसी प्रकार की सुविधा न हो। वहीं पंडा समाज और श्रद्धालुओं ने भी प्रशासनिक व्यवस्था की काफी सराहना की। आज मंदिर परिसर को आकर्षक ढंग से फूलों से सजाया गया है।

दुमका में वज्रपात से दो महिला समेत तीन की मौत, छह घायल

दुमका, एजेंसी। रविवार की शाम दुमका में मेघ गर्जना के साथ अचानक आई तेज बारिश के दौरान हुए वज्रपात में अलग-अलग तीन घटनाओं में दो महिला समेत तीन की मौत हो गई। जबकि छह लोग घायल हुए। घायलों में दो की स्थिति गंभीर बनी हुई है।

दुमका जिला के मसलिया थाना क्षेत्र के मोहनपुर गांव में रविवार की शाम वज्रपात से 23 साल के चंदन मरांडी की मौत हो गई। शाम में जिस समय पानी बरस रहा था, उस समय चंदन खेत से घर लौट रहा था। वज्रपात के बाद घरवाले उसे जल्दी से फूलो झानो मेडिकल कॉलेज अस्पताल लेकर आए। चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। अस्पताल कर्मियों ने घरवालों को पोस्टमार्टम कराने के लिए बहुत समझाया लेकिन तैयार नहीं हुए। अंत में स्वजन बिना पोस्टमार्टम के शव लेकर चले गए। जिले के सरैयाहाट में वज्रपात की चपेट में आने से एक महिला की मौत हो गई है। जबकि चार अन्य महिला गंभीर रूप से घायल हो गई है। यह घटना मानिकपुर गांव की है। मृतक महिला मानिकपुर गांव के भरत चंद्र कापरी की 33 वर्षीय पत्नी शकुन्ती देवी है। वहीं घायल रूपा कुमारी और प्रभा देवी और भरत कापरी हैं। घटना के संबंध में बताया गया कि सभी खेत में काम कर रहे थे, अचानक बारिश के दौरान वज्रपात होने से सभी चपेट में आ गये। सभी घायलों को उठाकर सरैयाहाट सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र लाया गया। घायलों का प्राथमिक उपचार के बाद देवघर रेफर कर दिया। इसमे भरत कापरी की हालत नाजुक बताई जा रही है।जरमुंडी थाना क्षेत्र में रविवार को वज्रपात से एक 42 वर्षीया महिला की मौत हो गई। जबकि दो अन्य ग्रामीण गंभीर रूप से घायल हो गए।

12 फीट के अजगर का रेस्क्यू, पुआल में छुपकर बैठा था

पलामू, एजेंसी। लातेहार जिले के बारेसाढ़ के परेवाटांड़ से वन विभाग की टीम ने 12 फीट के एक अजगर का रेस्क्यू किया है। यह अजगर परेवाटांड़ के अर्जुन सिंह के पुआल के टाल में छुपा हुआ था। सोमवार को पलामू टाइगर रिजर्व में 12 साल से तैनात वनपाल परमजीत तिवारी और उनकी टीम को सूचना मिली थी कि अर्जुन सिंह नामक व्यक्ति के घर के पास एक विशाल अजगर देखा गया है। इसकी सूचना मिलने के बाद रेस्क्यू टीम मौके पर पहुंची थी। टीम ने 12 फीट लंबे और करीब 18 किलो वजनी अजगर का रेस्क्यू किया। बाद में रेस्क्यू टीम ने अजगर को कुम्हरमारा जंगल में छोड़ दिया।

अजगर मिट्टी के घर में लगने वाली कंडी के बराबार मोटा था। यह बकरी, छोटे मवेशी के बराबर किसी भी जीव को निगल सकता

था। रेस्क्यू टीम में फॉरेस्टर परमजीत तिवारी, वाइल्डलाइफर शेरा गुप्ता, ट्रैकर अमन कुमार, क्यूआरटी सदस्य मुखराज यादव और लक्ष्मण यादव, ग्रामीण आकाश कुमार शामिल थे।

पिछले एक महीने से पलामू प्रमंडल में लगातार बारिश हो रही है। इस कारण सभी जलस्रोत भर गए हैं। अजगर और सांप के बिलों में भी पानी भर गया है। इस कारण वे अपने बिलों से बाहर निकल कर रहे हैं। भींगे पत्ते और पुआल जैसी वस्तु के बीच सांप आसानी से छुप जाते हैं।

स्वच्छता के क्षेत्र में बेहतर प्रदर्शन वाले शहर होंगे सम्मानित, जमशेदपुर को मिलेगा सम्मान

रांची, एजेंसी। नगर विकास एवं आवास विभाग लगातार शहरों की स्वच्छता को लेकर बेहद संवेदनशीलता के साथ कार्य कर रहा है और इसका नतीजा यह है कि हर वर्ष भारत सरकार के आवासन एवं शहरी कार्य मंत्रालय द्वारा कराए जाने वाले स्वच्छ सर्वेक्षण में झारखंड के शहर अपना परचम लहरा रहे हैं।

स्वच्छ सर्वेक्षण 2024-25 का परिणाम 17 जुलाई 2025 को नई दिल्ली के विज्ञान भवन में घोषित हो रहा है, जिसमें झारखंड के जमशेदपुर को महामहिम राष्ट्रपति महोदया और बुंडू को केन्द्रीय आवासन एवं शहरी कार्य मंत्री के हाथों सम्मानित किया जाएगा। इसी दिन शहरों की स्वच्छता रैंकिंग भी जारी होगी।

शहरी स्वच्छता को और बेहतर

करने के लिए राज्य के सभी 49 नगर निकायों में कई प्रयास किए जा रहे हैं। हाल के दिनों में शहरों में डोर टू डोर कचरा उठाव उसके सेग्रीगेशन और डिस्पोजल को लेकर तेजी से कार्य हुआ है।

इसके साथ ही, ठोस और तरल अपशिष्ट प्रबंधन पर कई महत्वपूर्ण कार्य हुए हैं। कई शहरों में इसके लिए प्लांट स्थापित किया गया है तो ज्यादातर शहरों में ऐसे प्लांट निर्माणाधीन हैं। स्वच्छ सर्वेक्षण 2024-25 से पहले सभी निकायों में बैठक, कार्यशाला और कैंपेन आयोजित हुआ। समाज के हर वर्ग की सहभागिता सुनिश्चित करने के लिए कार्यक्रम चलाए गए। डोर टू डोर वैस्ट कलेक्शन सुनिश्चित कराया गया। सेग्रिगेशन एंड प्रोसेसिंग आफ वैस्ट को प्राथमिकता दी गयी। पीट कंपोस्टिंग एंड ऑनसाइट कंपोस्टिंग के लिए नगर निकायों और नागरिकों को प्रोत्साहित किया गया। रीसाइक्लर्स को नगर निकायों के साथ जोड़ा गया।

कैरी बैग को वैन किया गया और सिंगल यूज प्लास्टिक के इस्तेमाल में कमी लाई गयी। स्वच्छता एप के माध्यम से सफाई से जुड़ी समस्याओं का त्वरित निदान किया गया।

गौरतलब है कि स्वच्छ सर्वेक्षण 2016 में झारखंड की स्थिति बहुत प्रशंसनीय नहीं थी पर लगातार स्वच्छ सर्वेक्षण 2017, 2018, 2019, 2020, 2021, 2022 और 2023 में राज्य की जनता के सहयोग और शहरी निकायों तथा राज्य सरकार के कुशल मार्गदर्शन में राज्य ने स्वच्छता के क्षेत्र में कई सम्मान प्राप्त किए हैं।

झारखंड सहायक अध्यापक संघर्ष मोर्चा की बैठक में आंदोलन की बनी रणनीति, सरकार का किया जाएगा घेराव

रांची, एजेंसी। झारखंड सहायक अध्यापक संघर्ष मोर्चा की राज्यस्तरीय बैठक रविवार को मोरहाबादी मैदान में आयोजित की गई। बैठक में राज्य के सभी 24 जिलों के जिला अध्यक्ष, सचिव, प्रखंड कमेटी सदस्य और लगभग 500 सहायक अध्यापकों ने भाग लिया। बैठक की अध्यक्षता वरीय सदस्य विनोद बिहारी महतो ने की, जबकि संचालन विनोद तिवारी और संजय दुबे ने संयुक्त रूप से किया।

बैठक में वक्ताओं ने सरकार पर गंभीर आरोप लगाते हुए कहा कि अब तक समान कार्य के बदले समान वेतन, अनुकंपा पर नियुक्त शिक्षकों की सेवा अवधि 65 वर्ष तक करने जैसी मांगों पर कोई ठोस पहल नहीं की गई है। नेताओं ने कहा कि सरकार के साथ जो समझौता हुआ था, उसकी 90 प्रतिशत शर्तें अब

तक अधूरी हैं। इससे पूरे राज्य में सहायक अध्यापकों के बीच आक्रोश है।

बैठक में सबसे अधिक विरोध राज्य के उन लगभग 2000 सहायक अध्यापकों की सेवा समाप्ति को लेकर दर्ज किया गया, जिन्हें प्रमाणपत्र जांच के नाम पर कार्यमुक्त कर दिया गया है। मोर्चा के नेताओं का कहना है कि यह फैसला न केवल असंवेदनशील है, बल्कि हजारों शिक्षकों के भविष्य के साथ खिलवाड़ है।

बैठक में सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया कि 19 और 20 जुलाई को सभी जिला और प्रखंड कमेटी सदस्य सत्ता पक्ष और विपक्ष के विधायकों और मंत्रियों को मांग पत्र सौंपेंगे। इसके बाद झारखंड विधानसभा के मानसून सत्र के दौरान रांची में जोरदार घेराव किया जाएगा। यह जानकारी सहायक अध्यापक संघर्ष मोर्चा के नेता संजय दुबे ने दी।

उन्होंने बताया कि इसके बाद भी सरकार सहायक अध्यापकों की मांगों पर वार्ता नहीं करती या समाधान नहीं निकलता, तो 5 सितंबर को सभी सहायक अध्यापक मुख्यमंत्री आवास का घेराव करेंगे। इसके बाद 15 नवंबर को मोरहाबादी मैदान में विशाल प्रदर्शन आयोजित कर सभी सरकारी कार्यक्रमों का विरोध और काला झंडा दिखाने का निर्णय लिया गया है।

झारखंड में खुलेआम हो रहा अवैध खून का धंधा! मालामाल हो रहे निजी अस्पताल

धनबाद, एजेंसी। जिले में ब्लड डोनेशन कैंप लगाकर लोगों के खून का सौदा किया जा रहा है। जिसका सीधा फायदा निजी अस्पताल को पहुंच रहा है। निजी अस्पतालों को फायदा पहुंचाने के मकसद से ब्लड डोनेशन कैंप का आयोजन किया जा रहा है। मामले को सिविल सर्जन ने खुद उठाया है।

ब्लड डोनेशन कैंप में भोले-भाले, गरीब और मजदूर तबके के लोगों से ब्लड डोनेट कराया जा रहा है और उनके द्वारा डोनेट किए गए ब्लड को निजी अस्पतालों को बेचा जा रहा है। जहां ऐसे संग्रहित ब्लड की बिक्री की जाती है। यह खुलासा जिले के सिविल सर्जन ने किया है। सिविल सर्जन ने ऐसे ब्लड डोनेशन कैंप को गैर कानूनी बताया है। जांच के दौरान पकड़े

जाने पर ऐसे ब्लड डोनेशन कैंप लगाने वाले संस्थान पर कानूनी कार्रवाई करने की भी बात सिविल सर्जन ने कही है।

सिविल सर्जन डॉ आलोक विश्वकर्मा ने कहा कि जिले में रक्त दान शिविर हर दो या तीन दिन के अंतराल में लगाया जा रहा है, जिसकी जानकारी सिविल सर्जन कार्यालय को नहीं दी जाती है और ना ही ब्लड डोनेशन कैंप की स्वीकृति ली जाती है। उन्होंने बताया कि एक ब्लड डोनेशन कैंप के निरीक्षण के दौरान पाया गया कि गरीब और मजदूर वर्ग के डोनर से ब्लड लिया जा रहा है।

सिविल सर्जन ने कहा कि लगाए गए इस रक्त दान शिविर की जांच पड़ताल की गई। जिसमें पाया कि कॉमर्शियल या प्राइवेट अस्पताल या फिर प्राइवेट सुपर स्पेशलिटी अस्पताल को डोनेट की गई ब्लड की सप्लाई होती है।

प्रदेश में इस हफ्ते खुल जाएगी शराब की दुकानें, नई आबकारी नीति से उत्पाद विभाग को भारी राजस्व की संभावना

रांची, एजेंसी। उत्पाद एवं मद्य निषेध विभाग को झारखंड सरकार की नई उत्पाद नीति झारखंड उत्पाद (मदिरा की खुदरा बिक्री हेतु दुकानों की बंदोबस्ती एवं संचालन) नियमावली 2025 के अंतर्गत एक सितंबर 2025 से 31 मार्च 2026 तक बंपर राजस्व हासिल करने की उम्मीद है।

इस नियमावली के तहत राज्य में निजी हाथों से शराब की खुदरा बिक्री होगी। निजी हाथों से शराब की खुदरा बिक्री से उत्पाद विभाग को बड़ी उम्मीदें है। यही वजह है कि वर्तमान वित्तीय वर्ष के सिर्फ सात महीने में ही विभाग को 2402 करोड़ रुपये का राजस्व लक्ष्य हासिल करने की उम्मीद है।

इसे देखते हुए विभाग ने 13 जुलाई (रविवार) को नया व संशोधित राजस्व लक्ष्य घोषित किया है। इसके तहत चालू वित्तीय वर्ष में पहले से घोषित राजस्व लक्ष्य

जहां 2985 करोड़ रुपये था, उस लक्ष्य को संशोधित करते हुए विभाग ने उसे 3585 करोड़ रुपये कर दिया है।

चालू वित्तीय वर्ष में 2985 करोड़ का राजस्व लक्ष्य पुरानी उत्पाद नीति के आधार पर रखा गया था। पुरानी उत्पाद नीति झारखंड उत्पाद (झारखंड राज्य बिवरेजेज कारपोरेशन लिमिटेड के माध्यम से खुदरा उत्पाद दुकानों का संचालन) नियमावली 2022 से 31 अगस्त 2025 तक राज्य में खुदरा शराब दुकानें संचालित होंगी।

इस पांच महीने में यानी एक अप्रैल 2025 से 31 अगस्त 2025 तक के लिए विभाग ने 1183 करोड़ रुपये का राजस्व लक्ष्य रखा है। वित्तीय वर्ष के शेष सात महीने यानी एक सितंबर 2025 से 31 मार्च 2026 तक के लिए विभाग ने 2402 करोड़ रुपये का राजस्व लक्ष्य रखा है।

यह वही अवधि है, जिसमें शराब की खुदरा बिक्री निजी हाथों से होगी। यानी इस सात महीने अवधि में पिछले पांच महीने की तुलना में दोगुने से भी अधिक का राजस्व लक्ष्य रखा गया है।

राज्य में शराब की खुदरा बिक्री से चालू वित्तीय वर्ष में अब तक कितने का राजस्व आया, यह आंकड़ा अब तक अस्पष्ट है। यह तभी स्पष्ट होगा, जब तक ऑडिट व सुनवाई पूरी नहीं हो जाती। इसमें करीब आठ से दस दिन और लगने की उम्मीद है।

उत्पाद अधिकारी की मानें तो वर्तमान में हैंडओवर-टेकओवर के बाद बड़ी अनियमितता सामने आई है, जिसपर जिम्मेदार प्लेसमेंट एजेंसियों से हिसाब लिया जा रहा है। झारखंड उच्च न्यायालय के आदेश के आलोक में आयुक्त उत्पाद की अध्यक्षता में बनी कमेटी हर दिन प्लेसमेंट एजेंसियों के साथ बैठकर हिसाब का मिलान कर रही है।

प्लेसमेंट एजेंसी अपना तर्क दे रहे हैं, ऑडिट टीम अपना हिसाब दे रही है। कहां हिसाब में, किस वजह से अंतर आ रहा है, उसका मिलान किया जा रहा है। जब तक सुनवाई पूरी नहीं हो जाती, हिसाब का मिलान पूरा नहीं हो जाता, तब तक राजस्व संग्रहण का फाइनल आंकड़ा स्पष्ट नहीं होगा।

राज्य में शराब दुकानों की ऑडिटिंग व हैंडओवर-टेकओवर की प्रक्रिया पूरी हो चुकी है। नई व्यवस्था के तहत झारखंड राज्य बिवरेजेज कॉरपोरेशन लिमिटेड (जेएसबीसीएल) के अधीन दैनिक वेतनभोगी कर्मियों के माध्यम से शराब की खुदरा बिक्री हो रही है।

उत्पाद अधिकारियों ने यह संभावना जताई है कि इस हफ्ते सभी शराब दुकानें खुल जाएंगी। राज्य में शराब आपूर्ति सामान्य हो जाएगी। शराब दुकान में रखे जाने वाले कर्मियों का जेएसबीसीएल आपराधिक इतिहास व पुराने आरोपों को भी खंगाल रहा है, जिसके चलते इसमें विलंब हो रहा है।जिन कर्मियों पर पहले से केस या कोई दाग है, उन्हें दुकान में नहीं रखा जा रहा है। साफ-सुथरी छवि वाले कर्मी ही दुकानों में रखे जा रहे हैं।

सुभाषितम्

परमात्मा के प्रत्येक रूप के अनुरूप अपना रूप बना लो।

- ऋग्वेद

इंटरनेट में जापान की लंबी छलांग

इंटरनेट की स्पीड की बात करते हैं, तो भारत में 100 एमबीपीएस या अधिकतम 1 गीगाबाइट पर सेकंड को सबसे तेज स्पीड मान लिया जाता है। जापान ने इस पैमाने को ध्वस्त कर दिया है। जापान ने हाल ही में 1 पेटाबाइट प्रति सेकंड की स्पीड से डेटा ट्रांसफर करने की एक ऐसी तकनीकी क्रांति को जन्म दिया है जो ना केवल अभूतपूर्व है बल्कि विज्ञान और शोध के क्षेत्र में एक चमत्कारिक घटना के रूप में देखी जा रही है। जापान की इस सफलता से इंटरनेट की दुनिया में एक नया कीर्तिमान बनने जा रहा है, जो सोच से भी ज्यादा है। यह उपलब्धि जापान के नेशनल इंस्टिट्यूट ऑफ इंफॉर्मेशन एंड कम्युनिकेशन टेक्नोलॉजी (एनआईसीटी) ने सुमितोमो इलेक्ट्रिक और कई अंतरराष्ट्रीय शोध संस्थानों के साथ मिलकर हासिल की है। पारंपरिक ऑप्टिकल फाइबर में एक की जगह 19 कोर का प्रयोग कर-के 10,800 किलोमीटर की दूरी तक इंटरनेट के माध्यम से डेटा ट्रांसफर करके यह कीर्तिमान स्थापित किया गया है। नेटफ्लिक्स लाइब्रेरी, विकिपीडिया के करोड़ों पेज या 8के के वीडियो डेटा को एक सेकंड से भी कम समय में डाउनलोड किया जा सकता है। यह स्पीड, भारत की औसत इंटरनेट स्पीड से 1 करोड़ 60 लाख गुना ज्यादा है। अमेरिका से 35 लाख गुना तेज है। इसकी कल्पना मानव समाज ने अभी नहीं की थी। जो जापान ने करके बता दिया है। यह तकनीक की चरम सीमा है। वैश्विक स्तर पर इस उपलब्धि का प्रभाव आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, साइबर सिक्योरिटी, मेडिकल साइंस, क्वांटम कंप्यूटिंग, अंतरिक्ष अनुसंधान एआई तकनिकी जैसे क्षेत्र अब सभी सीमाओं से मुक्त हो जाएंगे। रीयल टाइम क्लाउड प्रोसेसिंग, होलोग्राफिक कम्युनिकेशन और ब्रेन-मशीन इंटरफेस जैसे भविष्य के अवसर वर्तमान के दरवाजे पर खड़े दिख रहे हैं। मानव मस्तिष्क की सोच से भी कई गुना तेज गति से अब सिग्नल प्राप्त किए जा सकते हैं। कोड किए जा सकते हैं, डिकोड किए जा सकते हैं। जापान की इस सफलता ने डिजिटल दुनिया में एक नई क्रांति को जन्म दिया है। इस स्पीड के पीछे कई तरह की चुनौतियां हैं। अभी तक जो शोध और नवाचार हो रहे थे। जापान ने दिखा दिया है, तकनीक में कोई शॉर्टकट अथवा संपूर्णता नहीं होती है। जापान ने डिजिटल तकनीकी को लेकर सारी दुनिया के देशों को और वैज्ञानिकों को एक नई चुनौती दी है। कुछ महीने पहले चीन ने 10 जी की इंटरनेट सेवा का सफल परीक्षण किया था, तब इसे बहुत बड़ी सफलता माना जा रहा था, लेकिन जापान ने चीन से कई गुना अधिक सफलता अर्जित कर इंटरनेट की दुनियां में चीन को पछाड़ दिया है। जापान के इस मॉडल से कल्पनाओं का लोक बहुत बड़ा हो गया है। अभी बहुत कुछ सीखने की चुनौती सामने आ गई है। इंटरनेट की यह स्पीड मानव क्षमता की पराकाष्ठा है। यह सफलता बताती है, भविष्य उनका है, जो कल्पनाओं के आधार पर विज्ञान, नवाचार की सोच को संकल्प के साथ दोहरा जानते हैं। फिलहाल, इस रेस में जापान सबसे आगे बढ गया है। जापान की इस सफलता से अब कंप्यूटर हार्डवेयर सॉफ्टवेयर तथा संचार माध्यमों को लेकर आमूल-चूल परिवर्तन करने होंगे। डिजिटल तकनीकी में भारी बदलाव आएंगे। वैज्ञानिकों और शोधकर्ताओं के सामने एक बड़ी चुनौती आ गई है।

चिंतन-मनन

दूसरों के दुःख से अपना दुःख ज्यादा बेहतर

एक कहावत है राजा दुखी, प्रजा दुखी सुखिया का दुख दुना। कहने का अर्थ यह है कि संसार में जिसे देखो वह अपने को दुखी ही कहेगा। राजा का अपना दुख है, प्रजा का अपना और जिसे आप सुखी मानें बैठें हैं उससे पूछ कर देखेंगे तो वह भी अपने दुखों की पोटरी खोलकर अपनी व्यथा गाने लगेगा। लेकिन अगर आपके पास यह विकल्प हो कि आप अपना दुख किसी और को देकर दूसरे का दुख खुद स्वीकार कर लें तब आप कहेंगे कि अपना ही दुख भला है। इस संदर्भ में एक कथा है कि किसी गांव में एक फकीर आये। उनकी विशेषता यह थी कि वे किसी की भी समस्या दूर कर देते थे। उनकी इस विशेषता के बारे जिसे भी पता चला, वह उनके पास दौड़ा आया। अच्छी खासी भीड़ जमा हो गई और लोग जल्दी से जल्दी अपनी समस्या फकीर को बताने की जुगत भिड़ाने लगे। नतीजा यह हुआ कि हर कोई बोलने लगा। कोलाहल मच गया। फकीर ने सभी को चुप होने के लिए कहा। सभी लोग चुप हो गये तब फकीर ने कहा, मैं सबकी समस्या दूर कर दूंगा। आप सब लोग एक-एक कागज पर अपनी समस्या लिखकर लाएं और मुझे दे दें। कुछ ही देर में कागजों का ढेर लग गया। फकीर ने कागजों को एक टोकरी में रखा और उसे सबके बीच में रख दिया। एक आदमी की तरफ इशारा करके फकीर ने कहा, यहां से शुरू करके सब बारी-बारी से आएंगे और एक-एक कागज उठा लें। ध्यान रहे किसी को अपना कागज नहीं उठाना है। लोग एक-एक कर आए कागज उठा-उठा कर अपनी-अपनी जगह बैठ गए। फकीर ने कहा, अब इस कागज में लिखी किसी दूसरे की समस्या पढ़ो। अगर चाहो तो मैं तुम्हारी समस्या दूर कर दूंगा पर उसके बदले कागज पर लिखी समस्या तुम्हारी हो जाएगी। तुम्हें लगता है कि तुम्हारी समस्या बड़ी है तो उसे दूर करवाकर कागज पर लिखी दूसरे की छोटी-सी समस्या अपना लो। चाहो तो आपस में कागज बदल लो। जब तय कर लो कि अपनी समस्या के बदले कौन सी समस्या लोगे तो मेरे पास आ जाना। लोगों ने जब अपने पास कागज पर लिखी समस्या पढ़ी तो वे घबरा गए। लोग एक दूसरे से कागज बदल-बदल कर पढ़ रहे थे। हर बार उन्हें लगता कि उनकी समस्या तो जैसी है वैसी है, पर इस नई समस्या का सामना नहीं कर पाएंगे। कुछ देर में हर किसी को समझ आ गया कि उनकी समस्या जैसी भी है उनके अपने जीवन का हिस्सा है और वे उसी का सामना कर सकते हैं।

अधिकारों से लैस श्रमशक्ति का निर्माण: ईएलआई योजना

- हिरण्मय पंड्या

भारत सरकार द्वारा हाल ही में स्वीकृत की गई बहुप्रतीक्षित रोजगार से जुड़ी प्रोत्साहन (ईएलआई) योजना देश की श्रमशक्ति के लिए एक स्वागत योग्य राहत है। एक मजदूर संगठन (ट्रेड यूनियन) के तौर पर, हम इसे एक ऐसे दीर्घकालिक मांग के रूप में देखते हैं जोकि आखिरकार साकार हो रही है। यह एक ऐसी सक्रिय नीति है जो रोजगार सृजन, कौशल विकास और औपचारिकीकरण के प्रति सरकार की प्रतिबद्धता की पुष्टि करती है। हम इस अनूठी पहल की शुरूआत करने के लिए सरकार की सराहना करते हैं। इससे 3.5 करोड़ से अधिक श्रमिकों को लाभ मिलने की उम्मीद है। इन श्रमिकों में 1.9 करोड़ से अधिक पहली बार काम करने वाले श्रमिक भी शामिल हैं। भारतीय मजदूर संघ (बीएमएस) इस योजना को राष्ट्र निर्माण की प्रक्रिया में श्रमिकों को प्राथमिकता देने की सरकार के इरादे की पुष्टि के रूप में देखता है।

ईएलआई योजना एक ऐसे व्यापक रोजगार सहायता ढांचे का हिस्सा है, जो पिछले वर्ष शुरू की गई सरकार की इंटर्नशिप एवं कौशल विकास योजनाओं जैसी मौजूदा पहलों का पूरक है। कुल मिलाकर इन कार्यक्रमों का उद्देश्य विशेष रूप से नौकरी की सुलभता और सामाजिक सुरक्षा कवरेज के मामले में ऐतिहासिक रूप से पिछड़े श्रेणी 2 और श्रेणी 3 वाले शहरों के युवाओं के लिए, रोजगार क्षमता को बेहतर बनाना, औपचारिक रोजगार की राह तैयार करना तथा श्रम सुरक्षा को मजबूत करना है।

कर्मचारियों के खातों में सीधे योगदान देकर, यह योजना नियोक्ताओं के लिए, औपचारिकीकरण की लागत को कम करती है और युवाओं व पहली बार काम करने वाले कर्मियों को औपचारिक श्रमशक्ति का हिस्सा बनने के लिए प्रोत्साहित करती है। इससे पेंशन, स्वास्थ्य सेवा और अन्य महत्वपूर्ण सामाजिक सुरक्षा लाभों की सुलभता सुनिश्चित होती है। इसके अलावा, मैन्युफैक्चरिंग क्षेत्र और सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यमों (एमएसएमई) को अतिरिक्त सहायता प्रदान करके, यह योजना रोजगार सृजन को बढ़ावा देने के साथ-साथ सभी इलाकों और समुदायों में समान आर्थिक विकास को बढ़ावा देने का वादा भी करती है। यह योजना न केवल श्रमिकों के लिए एक नया अवसर पेश करती है, बल्कि सम्मानजनक, स्थिर और समावेशी रोजगार की दिशा में एक सार्थक बदलाव को भी दर्शाती है।

श्रमशक्ति में प्रवेश और औद्योगिक संबंधों को ठोस बनाना

ईएलआई योजना का सबसे सराहनीय पहलू यह है कि यह औपचारिक रोजगार और वित्तीय साक्षरता से जुड़े 15,000 रुपये तक के प्रत्यक्ष प्रोत्साहन के जरिए नौकरियों में प्रवेश करने वाले नए लोगों को सशक्त बनाने पर केन्द्रित है। कई लोगों के लिए, यह अनौपचारिक से हटकर अधिकार-आधारित व गरिमापूर्ण रोजगार की दिशा में बढ़ते हुए अनुबंधों, सामाजिक सुरक्षा और कार्यस्थल पर सुरक्षा से लैस कामकाज के व्यवस्थित माहौल से उनका पहला परिचय है। बीएमएस लंबे समय से श्रमिकों के सशक्तिकरण को बढ़ावा देने वाले ऐसे बदलावों की हिमायत करता रहा है।

औपचारिकीकरण केवल वेतन-भुगतान से संबंधित अनुपालनों तक ही सीमित नहीं है, बल्कि यह नियोक्ता-कर्मचारी के बीच के संबंधों की प्रकृति को भी मौलिक रूप से बदल देता है। सुरक्षा और सम्मान पाने वाले कर्मचारी अधिक योगदान देते हैं, लंबे समय तक टिके रहते हैं और भरोसे का निर्माण करते हैं। यह कर्मचारियों के लिए पेंशन, चिकित्सा संबंधी लाभ, भविष्य निधि से जुड़ी बचत और जरूरत पड़ने पर कानूनी सहायता की सुलभता सुनिश्चित करता है। यह योजना ट्रेड यूनियन के साथ सार्थक जुड़ाव, संस्थागत शिकायत निवारण और कार्यस्थल से जुड़े विवादों में कमी लाने की गुंजाइश बनाती है। इस दृष्टि से, ईएलआई योजना का आशय केवल रोजगार सृजन से ही नहीहै, बल्कि पारस्परिक सम्मान एवं साझा विकास पर आधारित एक अपेक्षाकृत अधिक न्यायसंगत एवं सहभागी कामकाज की दुनिया को आकार देने से भी है।

कौशल निर्माण, गतिशीलता और सतत रोजगार

ईएलआई योजना की एक प्रमुख विशेषता यह है कि यह भारत के कौशल एवं रोजगार के व्यापक ढांचे के अनुरूप ढली हुई है। इससे ऐसा रोजगार सुनिश्चित होता है जो टिकाऊ और सशक्त दोनों हो। वित्तीय साक्षरता, अप्रेन्टिसशिप कार्यक्रमों, आईटीआई सुधारों और भर्ती से जुड़े कौशल (प्लेसमेंट लिंक्ड स्किलिंग) को जोड़कर, यह योजना कौशल हासिल करने से लेकर गरिमापूर्ण काम पाने तक का एक स्पष्ट मार्ग प्रशस्त करती है। इसका ध्यान केवल नौकरी में प्रवेश तक ही सीमित नहीं है, बल्कि आगे बढ़ने और करियर में प्रगति पर भी केन्द्रित है। इससे युवा श्रमिकों को औपचारिक श्रम बाजारों के साथ जुड़े रहने में मदद मिलती है। खासकर, महामारी के बाद की अनिश्चितताओं और तेजी से बदलते तकनीकी बदलावों की पृष्ठभूमि में। इससे दीर्घकालिक रोजगार और विकास सुनिश्चित होता है।

राष्ट्रीय प्रगति की साझा जिम्मेदारी

ईएलआई योजना सही साधन प्रदान करती है, लेकिन इसकी सफलता इस बात पर निर्भर करती है कि यूनियन, राज्य और अन्य संगठनों जैसे सभी हितधारक इसके साथ किस प्रकार जुड़ते हैं। यह योजना ट्रेड यूनियनों को नए औपचारिक श्रमिकों के साथ जुड़ाव बढ़ाने का अवसर प्रदान करती है, जिससे यह सुनिश्चित होता है कि वे अपने अधिकारों के प्रति जागरूक हों और अपने कार्यस्थलों को आकार देने में सार्थक रूप से भाग ले सकें। रोजगार सृजन के साथ-साथ कार्यस्थल पर मजबूत लोकतंत्र, बेहतर श्रम-प्रबंधन संवाद और समस्याओं के समाधान में सहयोगात्मक रवैये को बढ़ावा दिया जाना चाहिए।

भविष्य में, ईएलआई योजना भारत के विकास से जुड़े दृष्टिकोण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। जैसे-जैसे हम विकसित भारत@2047 के सपने को साकार करने की दिशा में आगे बढ़ रहे हैं, हमारा लक्ष्य विकास या औद्योगिक विस्तार से परे जाकर एक कुशल, संरक्षित, प्रेरित तथा अर्थव्यवस्था में औपचारिक रूप से समन्वित श्रमशक्ति का निर्माण करना होना चाहिए।

ईएलआई योजना इसी दृष्टिकोण के अनुरूप है और यह एक ऐसे भविष्य की नींव रखती है जहां युवा सशक्त और औद्योगिक संबंध सहयोगात्मक हों। बीएमएस इस दूरदर्शी कदम की सराहना करता है और श्रमिकों एवं राष्ट्र की बेहतरी के लिए इसके प्रति अपना रचनात्मक समर्थन व्यक्त करता है।

टैरिफ युद्ध अमेरिका पर ही भारी पड़ सकता है

प्रहलाद सबनानी

अमेरिका में श्री डानल्ड ट्रम्प के दूसरी बार राष्ट्रपति बनने के साथ ही दुनिया के लगभग समस्त देशों के साथ ट्रम्प प्रशासन द्वारा टैरिफ युद्ध की घोषणा कर दी गई है। अमेरिका में विभिन्न देशों से होने वाले आयात पर भारी भरकम टैरिफ लगाकर एवं टैरिफ की दरों में बार बार परिवर्तन कर तथा इन टैरिफ की दरों को लागू करने की तिथि में परिवर्तन कर ट्रम्प प्रशासन टैरिफ युद्ध को किस दिशा में ले जाना चाह रहा है, इस सम्बंध में अब स्पष्टता का पूर्णतः अभाव दिखाई देने लगा है। अब तो विभिन्न देशों को ऐसा आभास होने लगा है कि अमेरिकी प्रशासन विभिन्न देशों पर टैरिफ की दरों के माध्यम से अपना दबाव बनाने का प्रयास कर रहा है ताकि ये देश अमेरिका के साथ द्विपक्षीय व्यापार समझौते को अमेरिकी शर्तों पर शीघ्रता के साथ सम्पन्न करें।

श्री ट्रम्प द्वारा कई बार यह घोषणा की गई है कि भारत के साथ द्विपक्षीय व्यापार समझौता शीघ्र ही सम्पन्न किया जा रहा है। अमेरिका एवं भारत के बीच द्विपक्षीय व्यापार समझौते को अंतिम रूप देने के उद्देश्य से भारतीय प्रतिनिधि मंडल अमेरिका में गया था तथा निर्धारित समय सीमा से अधिक समय तक वहां रहा एवं ऐसा कहा जा रहा है कि द्विपक्षीय समझौते के अंतिम रूप को अमेरिकी राष्ट्रपति के समक्ष प्रस्तुत किया जा चुका है परंतु अभी तक अमेरिका द्वारा अमेरिका एवं भारत के बीच द्विपक्षीय व्यापार समझौते की घोषणा नहीं की जा रही है। हालांकि, इस बीच अमेरिका द्वारा कई देशों के विरुद्ध टैरिफ की दरों को बढ़ा दिया गया है। विशेष रूप से जापान एवं दक्षिण कोरिया से अमेरिका को आयात होने वाली वस्तुओं पर 1 अगस्त 2025 से 25 प्रतिशत की दर से टैरिफ लगाया जाएगा। इसी प्रकार, 12 अन्य देशों से अमेरिका में होने वाले आयात पर भी टैरिफ की बढ़ी हुई नई दरें लागू किये जाने का प्रस्ताव किया गया है। इस सम्बंध में अमेरिकी राष्ट्रपति ने इन 14 देशों के राष्ट्राध्यक्षों को पत्र भी लिखा है। इस सूची में भारत का नाम शामिल नहीं है।

पूर्व में अमेरिका द्वारा चीन से आयात होने वाले उत्पादों पर भारी भरकम टैरिफ की घोषणा की गई थी। चीन ने भी अमेरिका से होने वाली आयातित वस्तुओं पर लगभग उसी दर पर टैरिफ लागू करने की घोषणा कर दी थी। साथ ही, चीन ने विभिन्न देशों को दुर्लभ खनिज पदार्थों (रेयर अर्थ मिनरल) के निर्यात पर रोक लगा दी थी। अमेरिका में चीन के इस निर्णय का बहुत गहरा प्रभाव पड़ा था। जिसके दबाव में अमेरिका ने चीन के साथ व्यापार समझौता करते हुए चीन से आयात होने वाली विभिन्न वस्तुओं पर टैरिफ की दरों को तुरंत कम कर दिया। अमेरिका द्वारा इसी प्रकार का एक द्विपक्षीय व्यापार समझौता ब्रिटेन के साथ भी सम्पन्न किया जा चुका है। पूर्व में, ट्रम्प प्रशासन ने 90 दिवस की अवधि में 90 देशों के साथ द्विपक्षीय व्यापार समझौते करने की बात कही थी तथा 90 दिवस की समयावधि 9 जुलाई को समाप्त होने के पश्चात भी केवल दो देशों ब्रिटेन एवं चीन के साथ ही द्विपक्षीय व्यापार समझौता सम्पन्न हो सका है। भारत के साथ द्विपक्षीय व्यापार समझौते को अंतिम रूप दिया जा चुका है परंतु इसकी अभी तक घोषणा नहीं की गई है। द्विपक्षीय समझौते के लिए शेष देशों पर दबाव बनाने की दृष्टि से ही इन देशों से अमेरिका को होने वाले आयात पर टैरिफ की दरों को एक बार पुनः बढ़ाये जाने का प्रस्ताव है और इन बढ़ी हुई दरों को 1 अगस्त 2025 से लागू करने की योजना बनाई गई है।

इसलिए भारत एक विशेष रणनीति के अंतर्गत अपने आर्थिक विकास पर अपना ध्यान केंद्रित करता हुआ दिखाई दे रहा है। भारत के रूस के साथ भी अच्छे सम्बंध हैं तो अमेरिका से भी अपने सम्बन्धों को सामान्य बनाए रखने के लिए प्रयत्नशील है। भारत के इजराईल के साथ भी अच्छे सम्बंध हैं तो ईरान के साथ भी भारत के व्यापारिक सम्बंध हैं। रूस एवं यूक्रेन युद्ध के बीच भी भारत ने दोनों देशों के साथ अपना संतुलित व्यवहार बनाए रखा है। इसी कड़ी में, चीन के साथ भी आवश्यकता अनुसार बातचीत का दौर जारी रखा जा रहा है, बावजूद इसके कि कई बार अंतरराष्ट्रीय मंचों पर चीन अप्रत्यक्ष रूप से भारत के विरुद्ध कार्य करता हुआ दिखाई देता है।

अभी हाल ही में चीन ने भारत को दुर्लभ खनिज पदार्थों (रेयर अर्थ मिनरल) की आपूर्ति पूर्णतः रोक दी है। साथ ही, मानसून का मौसम भारत में प्रारम्भ हो चुका है एवं भारत में कृषि क्षेत्र में गतिविधियां अपने चरम स्तर पर पहुंच गई हैं, ऐसे अत्यंत महत्वपूर्ण समय पर चीन द्वारा भारत को उर्वरकों की आपूर्ति पर परेशानियां खड़ी की जा रही हैं। चीन द्वारा समय समय पर भारत के लिए खड़ी की जा रही विभिन्न समस्याओं के हल हेतु भारत ने विश्व के पूर्वी देशों एवं विश्व के दक्षिण भाग में स्थित देशों की ओर रुख किया है। अभी हाल ही में भारत के प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी ने घाना, नामीबिया, अर्जेंटीना, ब्राजील, त्रिनिदाद एवं टोबैगो जैसे देशों की यात्रा इस उद्देश्य से सम्पन्न की है ताकि दुर्लभ खनिज पदार्थों की आपूर्ति सुनिश्चित की जा सके। इन देशों में दुर्लभ खनिज पदार्थ पर्याप्त मात्रा में उपलब्ध है।

वैश्विक स्तर पर अमेरिका द्वारा छेड़े गए इस टैरिफ युद्ध से निपटने के लिए भारत एक विशेष रणनीति के अंतर्गत कार्य करता हुआ दिखाई दे रहा है। भारत ने वैश्विक मंच पर न तो अमेरिका के टैरिफ की दरों में वृद्धि सम्बंधी निर्णयों की आलोचना की है और न ही भारत में अमेरिका से आयातित वस्तुओं पर टैरिफ बढ़ाने की धमकी दी है। बल्कि, भारत ने तो अमेरिका से आयात होने वाली कुछ विशेष वस्तुओं पर टैरिफ को कम कर दिया है। दरअसल, भारत इस समय विकास के उस चक्र में पहुंच गया है जहां पर भारत को अपना पूरा ध्यान आर्थिक क्षेत्र को आगे बढ़ाने पर केंद्रित करने की आवश्यकता है। भारत को यदि वर्ष 2047 तक विकसित राष्ट्रों की श्रेणी में शामिल करना है तो आगे आने वाले लगभग 20 वर्षों तक लगातार लगभग 8 प्रतिशत की आर्थिक विकास दर को बनाए रखना अति आवश्यक है।

यह जीवन दोबारा नहीं मिलेगा, इसे बेकार न जाने दें

प्रेम रावत

हम सब लोगों ने सुना होगा कि अब के समय में रहना चाहिए। अंग्रेजी में इसको कहते हैं प्रेजेन्टह्ढ और उपहार को प्रेजेंटह्ढ भी कहते हैं। प्रेजेन्ट जो है वह प्रेजेन्ट है, उपहार है। अब में रहने की विद्या क्या है! क्योंकि जो मन है, वह अब में तो टिकता नहीं है। कभी इधर भागता है, कभी उधर भागता है। आप अब में क्यों रहना चाहते हैं! क्योंकि मैंने कहा इसलिए! अब में रहना आसान नहीं है। क्योंकि जो मन के अंदर रहता है, मन के काबू में रहता है, वह अब में नहीं रह सकता। पर आपके अंदर एक चीज चल रही है और वह सबसे शक्तिशाली चीज है। वह है आपका स्वांस। न तो आप वह स्वांस ले सकते हैं जो चला गया, न वह स्वांस ले सकते हैं जो आने वाला है। आप बस वही स्वांस ले सकते हैं जो चल रहा है। इस स्वांस में वह ताकत बसी हुई है, जो सारी सृष्टि को चला रही है। आप घूमने के लिये जाते हैं। क्यों? क्योंकि यह स्वांस चल रहा है। अगर यह स्वांस नहीं चल रहा होता तो अगर कोई आपको इटली ले जाता और वहां आपको पिज्जा भी खिलाता तो आप उसे खा नहीं पाते। एक गरीब आदमी था, भिखारी था! एक दिन, वह राजा के पास आया और बोला, कृपया मुझे कोई नौकरी दे दीजिए। मैं बहुत गरीब हूं। तो राजा ने कहा- ठीक है, आप आइये और उसको एक नौकरी दे दी। अब वह पूरी लगन से काम करने लगा। हर दिन वह काम करता और सब उससे खुश रहते। राजा भी खुश था। वह बहुत अच्छा काम कर रहा था। धीरे-धीरे उसकी तरक्की हुई। जब वह तरक्की कर गया, तो उसे महल में ऊपर एक कमरा दे दिया गया। वह हर दिन उस कमरे में जाता, तीन-चार घंटे बिताता और फिर वापस आकर अपना काम करता। जैसे-जैसे साल बीतते गए, लोग उससे परेशान होने लगे, क्योंकि वह राजा के बहुत करीब आ गया था। राजा उससे बहुत खुश था। तो उन्होंने राजा के कान भरने शुरू कर दिए कि वह आपसे चोरी कर रहा है। इसीलिए वह अपने कमरे में जाता है और वहां घंटों बिताता है। वह अपने पैसे गिनने जाता है। राजा को यकीन नहीं हो रहा था कि इतना भरोसेमंद आदमी ऐसा कर सकता है! एक दिन राजा ने उसका पीछा किया और जैसे ही वह कमरे में पहुंचा, राजा भी उसके पीछे-पीछे चल दिया। राजा ने देखा कि उसके पलंग के नीचे एक बहुत बड़ा बक्सा रखा हुआ है। तो राजा को लगा कि यह तो पक्का है कि यह मुझसे चोरी कर रहा है। राजा ने उस आदमी से कहा, यह बक्सा निकालो, मैं देखना चाहता हूं कि इसमें क्या है? उस आदमी ने कहा, साहब, आप क्या देखेंगे! यह आपके देखने लायक नहीं है। राजा को और यकीन हो गया कि इसने वाकई मुझसे चोरी की है। तो राजा ने खुद ही बक्सा निकाला और उसे खोला। जब उसने उसे खोला तो बहुत दंग रह गया। उसमें फटे-पुराने कपड़े रखे हुए थे। राजा ने कहा - यह क्या है? उस आदमी ने कहा - साहब, जब मैं पहले दिन आपके दरबार में आया था, तब मैंने यह कपड़े पहने हुए थे। मैं इन कपड़ों को हर दिन देखता हूं ताकि मुझे याद रहे कि मैं कहां था, कौन था और आपकी वजह से मैं कहां पहुंच गया हूं। यह कपड़े मुझे इसकी याद दिलाते हैं। अपना जीवन बेकार मत कीजिये। जिस चीज की आपको तलाश है, वह आपके अंदर है। जानिये, पहचानिये और अपने जीवन को सफल बनाइये। यह जीवन दोबारा नहीं मिलेगा।

आज का राशिफल

मेष आज का दिन कार्यक्षेत्र में अच्छा है। आपकी लीडरशिप स्किल्स की तारीफ होगी।

वृषभ बिजनेस में स्थिरता बनी रहेगी, लेकिन कम्पिटिशन से निपटने के लिए कुछ नया करना होगा।

मिथुन कार्यक्षेत्र में तनाव हो सकता है, आप अपनी बातचीत करने की कला से स्थिति को संभाल लेंगे।

कर्क आज दिन तरक्की के संकेत दे रहा है। ऑफिस में आपके सुझावों को महत्व दिया जाएगा।

सिंह बड़ा मौका आ सकता है और यह अवसर आने वाले समय में आपके भविष्य की दिशा तय करेगा।

कन्या आज ऑफिस में आपकी मेहनत रंग लाएगी और आपके सीनियर आपकी तारीफ करेंगे।

तुला आज बिजनस में पार्टनर के साथ रिश्ते अच्छे होंगे और इससे आपको बड़ा लाभ होगा।

वृश्चिक आज कार्यक्षेत्र में आपकी योजनाएं सफल होंगी, आपके बॉस आपकी तारीफ करेंगे।

धनु ऑफिस में काम का बोझ ज्यादा रहेगा, लेकिन आपके काम से आपके सीनियर खुश रहेंगे।

मकर तकनीकी क्षेत्र या मैनेजमेंट में काम करने वाले लोगों को एक्स्ट्रा फायदा मिलेगा।

कुंभ सफलता मिलने की उम्मीद है। जरूरी मीटिंग या इंटरव्यू से आपको बड़ा लाभ होने की

मीन बिजनस में कोई सौदेबाजी में सफलता मिलेगी। इससे आपको आर्थिक लाभ हो सकता है।

विशेष

मिसाइल का सफल परीक्षण

भारतीय वायु सेना ने अस्त्र मिसाइल का सफल परीक्षण किया है। हवा से हवा में मार करने वाली यह मिसाइल सुखोई विमान से लांच करने में सफलता अर्जित की है। भारत के रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन की सबसे बड़ी सफलता है। वैश्विक स्तर पर जिस तरह से युद्ध में उपयोग में आने वाले अस्त्र-शस्त्रों में तकनीकी का इस्तेमाल हो रहा है। उसके लिए अब भारत ने भी कमर कस ली है। भारत अब रक्षा संयंत्रों को न केवल अपनी जरूरत के लिए बना रहा है। वरन अब निर्यात की दिशा में भी बड़ी तेजी के साथ आगे बढ़ रहा है। सेना की इस सफलता की चर्चा,सारी दुनिया के देशों में हो रही है। अभी तक हम शस्त्र आयात करते थे, अब बड़ी तेजी के साथ निर्यात की ओर बढ़ रहे हैं। मेक इन इंडिया की इसको ही सबसे बड़ी सफलता माना जा सकता है।

एक तस्वीर दिखा सकते हो?

22 अप्रैल को पहलगाम में आतंकवादी हमले में विभिन्न राज्यों से आए हुए 28 पर्यटकों की मौत हुई थी। उसके बाद भारत सरकार ने ऑपरेशन सिंदूर के माध्यम से पाकिस्तान के 9 आतंकी अड्डों पर हमला किया। हमले के पहले ही पाकिस्तान को सूचना दे दी गई थी। वैश्विक दबाव के कारण सीज फायर करना पड़ा। पहलगाम की घटना के आतंकवादी आज तक नहीं पकड़े गए। सीमावर्ती इलाकों में पाकिस्तान ने हमला करके कई लोगों की जान सीमा पर ले ली। सीज फायर के कारण सरकार को काफी परेशानी झेलना पड़ रही थी। हाल ही मे अस्त्र मिसाइल का परीक्षण किया गया। उसकी सफलता से राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार डोभाल के चेहरे की रौनक वापस लौट आई है।

कार्टून कोना

आज का इतिहास

1636: औरंगजेब को शाहजहां ने दक्षिण का वायसराय नियुक्त किया गया. 1656: सिखों के गुरु हरकिशन का जन्म हुआ. 1789: फ्रांस के नागरिकों ने क्रांति की शुरूआत में बैस्टिले जेल पर कब्जा कर लिया. 1790: फ्रांस नेशनल लुई 16वें ने क्रांतिकारी संविधान स्वीकार किया. 1867: आविष्कारक अल्फ्रेड नोबेल ने रेड हिल की एक खान में बारूद का प्रयोग करके दिखाया. 1886: ब्रिटेन और जर्मनी में गोल्ड कोस्ट और टोगोलैंड की सीमाओं के बारे में समझौता हुआ. 1933: जर्मनी में सभी राजनीतिक संगठनों पर प्रतिबंध लगा दिया गया. 1934: मोसुल और त्रिपोली के बीच तेल पाइपलाइन खोली गयी. 1958: इराक के शाह फैजल, शाही परिवार के अन्य सदस्यों तथा प्रधानमंत्री की सैनिक क्रांति में हत्या हुई. 1960: लियोपोल्डविले सरकार ने बेल्जियम से अपने संबंध तोड़ लिए.

दैनिक पंचांग

जुलाई 2025 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

2025 वर्ष का 195 वा दिन
दिशाशूल पूर्व ऋतु वर्षा।
विक्रम संवत् 2082 शक संवत् 1947
मास श्रावण (दक्षिण भारत में आषाढ़) पक्ष कृष्ण
तिथि चतुर्थी 00.00 बजे रात्र को समाप्त। नक्षत्र धनिष्ठा 06.49 बजे को समाप्त। योग आयुष्मान 16.14 बजे को समाप्त। करण बव 12.34 बजे तदन्तर बालव 00.00 बजे रात्र को समाप्त।
चन्द्रायु 18.6 घण्टे
रवि क्रान्ति उत्तर 21° 40'
सूर्य उत्तरायन कलि अहर्गण 1872405
जूलियन दिन 2460870.5
कलियुग संवत् 5126
कल्पारंभ संवत् 1972949123
सृष्टि ग्रहारंभ संवत् 1955885123
वीरनिर्वाण संवत् 2551
हिजरी सन् 1446
महीना मोहर्रम तारीख 18
विशेष संकष्टी चतुर्थी, श्रावण सोमवार व्रत।

ग्रह स्थिति		लग्नारंभ समय	
सूर्य	मिथुन में	कर्क	05.38 बजे से
चंद्र	कुंभ में	सिंह	07.54 बजे से
मंगल	सिंह में	कन्या	10.06 बजे से
बुध	कर्क में	तुला	12.16 बजे से
गुरु	मिथुन में	वृश्चिक	14.31 ब.से
शुक्र	वृष में	धनु	16.47 बजे से
शनि	मीन में	मकर	18.52 बजे से
राहु	कुंभ में	कुंभ	20.39 बजे से
केतु	सिंह में	मीन	22.11 बजे से
राहुकाल 7.30 से 9.00 बजे तक		मेष	23.42 बजे से
		वृष	01.22 बजे से
		मिथुन	03.20 बजे से

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
अमृत	05.53 से	07.22 बजे तक	चर	05.43 से	07.14 बजे तक
काल	07.22 से	08.50 बजे तक	रोग	07.14 से	08.45 बजे तक
शुभ	08.50 से	10.19 बजे तक	काल	08.45 से	10.17 बजे तक
रोग	10.19 से	11.48 बजे तक	लाभ	10.17 से	11.48 बजे तक
उद्वेग	11.48 से	01.17 बजे तक	उद्वेग	11.48 से	01.19 बजे तक
चर	01.17 से	02.45 बजे तक	शुभ	01.19 से	02.51 बजे तक
लाभ	02.45 से	04.14 बजे तक	अमृत	02.51 से	04.2 बजे तक
अमृत	04.14 से	05.43 बजे तक	चर	04.22 से	05.53 बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, मध्यम चर, अशुभ उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अतः आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। Jagrutidaur.com, Bangalore

मानसून में रेनकोट की ऐसे करें सफाई

बारिश के मौसम में रेनकोट बड़े काम की चीज होती है। खासकर जब ऑफिस जाना हो या जब बच्चे स्कूल जाते हैं और तेज बारिश होने लगे तो रेनकोट का महत्व बढ़ जाता है। लेकिन बारिश के मौसम में रेनकोट का इस्तेमाल करने के बाद उसका सही से ध्यान नहीं रख जाता है तो रेनकोट ख़राब भी हो जाता है या रेनकोट के ऊपर फफूंदी के दाग भी लग जाते हैं। ऐसे में हम आपको कुछ टिप्स बताने जा रहे हैं जिन्हें फॉलो करके आप रेनकोट को हमेशा नया बनाकर रख सकते हैं।

ऐसे करें सफाई

रेनकोट की सफाई करना काफी आसान है, लेकिन ध्यान से साफ नहीं किया गया तो रेनकोट ख़राब भी हो सकता है। इसलिए उसकी सफाई कर आपको ध्यान देने की ज़रूरत है। रेनकोट को साफ करने के लिए आपको माइल्ड डिटर्जेट का इस्तेमाल करना चाहिए। इसके लिए एक लीटर पानी में माइल्ड डिटर्जेट को डालकर अच्छे से मिक्स कर लें और रेनकोट को डालकर कुछ देर छोड़ दें। कुछ देर बाद सॉफ्ट हाथों से साफ कर लें और हवा के नीचे के रख दें।

ऐसे निकाले दाग

अगर रेनकोट पर मिट्टी या फिर फिर किसी अन्य चीज का दाग लग गया है तो आप उसे आसानी से साफ कर सकते हैं। इसके लिए सबसे पहले एक बार नॉर्मल पानी से साफ कर लें। अब दाग वाली जगह पर नींबू के रस को डालकर कुछ देर के लिए छोड़ दें। कुछ देर बाद सॉफ्ट क्लीनिंग ब्रश से दाग को साफ कर लें। साफ करने के बाद हवा के नीचे रख दें।

तेज धूप में न रखें

जी हां, अगर इस्तेमाल करने के बाद रेनकोट को तेज धूप में रखते हैं तो रेनकोट कभी भी ख़राब हो सकता है। इसलिए रेनकोट का इस्तेमाल करने के बाद तेज धूप में नहीं बल्कि फंखा के नीचे रख दें। जब रेनकोट से पानी पूरी तरीके से निकल जाए तो फिर आप उसे फोल्ड करके रख सकते हैं।

पैक करके रखने से पहले रखें ये ध्यान

ऐसा नहीं कि इस्तेमाल किया और सीधा फोल्ड करके रेनकोट को अंदर रख दिया। इससे रेनकोट कभी भी ख़राब हो सकता है। ऐसे में एक से दो-दिन सूखने के बाद ही रेनकोट को पैक करके अंदर रखें। रेनकोट पैक करने वक्त आप एक पेपर में नेप्थलीन की गोली लपेट लीजिए और अंदर रख दें। इससे रेनकोट फ्रेश रहेगा।

मानसून के मौसम में घर के अंदर होती है घुटन

तो अपनाएं ये कमाल के वेंटिलेशन डिजाइन

मानसून का मौसम खुशियों और त्योहारों का मौसम होता है, लेकिन साथ ही यह घर में घुटन और उमस का भी मौसम होता है। बंद खिड़कियां और दरवाजे, बारिश का पानी, और हवा में नमी घर के अंदर एक भारीपन सा माहौल पैदा कर सकती है। लेकिन अब आपको चिंता करने की जरूरत नहीं है। कुछ आसान वेंटिलेशन डिजाइन अपनाकर आप अपने घर को हवादार और खुशनुमा बना सकते हैं।

वेंटिलेशन डिजाइन क्या है

वेंटिलेशन डिजाइन, घरों में ताजी हवा के प्रवाह को सुनिश्चित करने के लिए की जाने वाली प्रक्रिया है। इसमें कमरे से प्रदूषित हवा को बाहर निकालकर बाहर से ताजी हवा दी जाती है।

वेंटिलेशन डिजाइन के कई फायदे हैं

- ठंड के मौसम में हवा की गुणवत्ता बनाए रखना
- गर्म मौसम में तापमान को कंट्रोल करना
- नमी, धुआं, खाना पकाने की गंध, और इनडोर प्रदूषकों से छुटकारा पाना
- अटारी में गर्मी के स्तर को कंट्रोल करना
- क्रॉलस्पेस और बेसमेंट में नमी को कंट्रोल करना
- दीवारों से नमी को दूर रखना
- पानी के इस्तेमाल के कारण नमी के प्रभाव को कंट्रोल करना
- कंप्यूटिंग गैजेट से केमिकल के उत्सर्जन को कंट्रोल करना
- खाना पकाने के कारण दहन को कंट्रोल करना
- घर में गंध को कंट्रोल करना
- घर के अंदर अलग से कार्बन डाइऑक्साइड को कंट्रोल करना

घर में वेंटिलेशन के कई तरह के हो सकते हैं

नेचुरल वेंटिलेशन

खिड़कियों और दरवाजों के जरिए हवा का आना-जाना। यह वेंटिलेशन का सबसे बेहतर तरीका है। इसलिए, जब भी संभव हो, खिड़कियां और दरवाजे खोलकर ताजी हवा को घर के अंदर आने दें। विपरीत दिशाओं में खिड़कियां और दरवाजे खोलकर हवा को घर से गुजरने का रास्ता दें। छत या दीवारों में रोशनदान सेट करें ताकि ऊपर की गर्म हवा बाहर निकल सके। बाथरूम और रसोई में एयर वेंट लगाएं, जहां नमी और गंध जमा होने की संभावना होती है। घर के अंदर कुछ छोटे पौधे लगाएं जो हवा को शुद्ध करने में मदद करते हैं।

मेकैनिकल वेंटिलेशन

इसमें बाहरी पंखे, अटारी पंखे और पूरे घर के पंखे शामिल हैं। नए और मौजूदा दोनों तरह के ऊर्जा-कुशल घरों में इनडोर एयर क्वालिटी बनाए रखने के लिए यांत्रिक वेंटिलेशन की जरूरत होती है। छत के पंखे और टेबल फैन का इस्तेमाल करके हवा को घुमाएं। इसमें हीट रिकवरी वेंटिलेशन या एनर्जी रिकवरी वेंटिलेशन शामिल हैं। वेंटिलेशन एक अहम प्रक्रिया है, क्योंकि यह बासी हवा को ताजी हवा से बदल देता है। खराब वेंटिलेशन की वजह से कार्बन जमा हो सकता है और इससे इमारत में बैक्टीरिया भी बढ़ सकते हैं। इसलिए, वेंटिलेशन सिस्टम चुनते समय आपके घर के लेआउट और जरूरतों को ध्यान में रखना जरूरी है। आप इन तरीकों से अपने घर में वेंटिलेशन बढ़ा सकते हैं

- मौजूदा वेंटिलेशन सिस्टम का सही इस्तेमाल करें
- खिड़कियां या जालीदार दरवाजे खोलें
- रसोई में वेंटिलेशन पंखा लगाएं

अपने घर में वेंटिलेशन कैसे बढ़ाएं

घर और खुले स्थानों की ओर हवा लाने के लिए पेड़ लगाएं। पेड़ों को एक-दूसरे के बहुत पास न लगाएं, क्योंकि पत्ते हवा को अंदर नहीं आने देते। तेज हवाओं के दौरान नुकसान से बचने के लिए पेड़ों और घर के बीच दूरी बनाएं। पेड़ से घर की दूरी पेड़ की ऊंचाई से ज्यादा होनी चाहिए। अगर आपके घर में विंडो एयर कंडीशनर है, तो उसे चलाएं जिसमें बाहरी हवा का प्रवेश या वेंट हो। वेंट खुला रहने दें। अगर आपके HVAC सिस्टम में बाहरी हवा का प्रवेश है, तो उसे खोलें। अगर आपने छत का पंखा नहीं लगवाया है, तो खुली खिड़की के पास जितना हो सके, एक स्टैंडअलोन पंखा लगाएं ताकि हवा बाहर की ओर जाए। अच्छे वेंटिलेशन से घर में ताजी हवा आती है, हवा फ़िल्टर होती है, और हवा का प्रवाह बेहतर होता है। इससे वायरस के कण कम होते हैं और बीमारियां फैलने से रोका जा सकता है। साथ ही, हवादार घर में धूल के कणों को कंट्रोल रखा जा सकता है।

वेंटिलेशन एक अहम प्रक्रिया है, क्योंकि यह बासी हवा को ताजी हवा से बदल देता है। खराब वेंटिलेशन की वजह से कार्बन जमा हो सकता है और इससे घर में बैक्टीरिया भी बढ़ सकते हैं।

सावन के मौके पर घर के आंगन से लेकर मंदिर तक में बनाएं जा सकते हैं भगवान शिव से जुड़ी रंगोली के ये डिजाइंस

घर को सजाना हम सभी पसंद करते हैं। वहीं तीज-त्योहार के मौके पर हम घर में साफ-सफाई से लेकर पूजा पाठ तक करते हुए कई चीजों का खासतौर से ध्यान रखते हैं।

सावन का महीना शुरू हो चुका है। हर सोमवार को पत्नियां अपने पति की लंबी आयु के लिए व्रत रखती हैं और भगवान शिव की पूजा करती हैं। इस दिन पाठ-पूजा भी की जाती है। इस मौके पर आप घर के मंदिर में भगवान शिव से जुड़ी कई तरह की रंगोली बनाई जा सकती हैं। सावन के खास मौके पर मंदिर में बनाने के लिए रंगोली के कुछ आसान और खास डिजाइंस।

ओम रंगोली डिजाइन

भगवान शिव का चित्र बनाना आपके लिए थोड़ा मुश्किल हो सकता है। इसके लिए आप घर के मंदिरके बाहर बड़े साइज की थाली या पूजा घर में ओम नाम: शिवाय लिख सकती हैं या केवल ओम भी रंगों या फूलों से लिख सकती हैं। रंगोली को भरा-भरा बनाने के लिए आप पहले बैकग्राउंड के लिए गोलाई में फ्रेम को तैयार करें।

शिवलिंग रंगोली डिजाइन

घर के मंदिर में भगवान शिव की प्रतिमा के सामने आप रंगों की मदद से शिवलिंग रंगोली के माध्यम से बना सकती हैं। इसके लिए आप काले रंग के अलावा अन्य कई रंग इस्तेमाल कर सकती हैं। शिवलिंग के साथ में आप बेलपत्र और फूल डिजाइन की रंगोली भी बना सकती हैं। बेलपत्र और फूलों के डिजाइन को 3डी बनाने के लिए माचिस की तीली की मदद लें।

त्रिशूल रंगोली डिजाइन

ओम के अलावा आप त्रिशूल के डिजाइन को डमरू के साथ में बना सकती हैं। इसके लिए आप भूरे रंग के साथ नारंगी रंग को चुनकर डिजाइन को पूरा करें। आस-पास चाहे तो बॉर्डर के लिए बेलपत्र रंगोली डिजाइन को बना सकती हैं। त्रिशूल और डमरू के आकार को डेप्थ देने के लिए आप सफेद रंग से आउटलाइन कर सकती हैं।

भगवान शिव रंगोली डिजाइन

अगर आप कला से जुड़ी हैं और तरह-तरह के चित्र बनाना पसंद करती हैं तो इस तरह से नीले रंग की मदद लेकर भगवान शिव के चेहरे को रंगोली में बना सकती हैं। रंगोली के डिजाइन को पूरा करने के लिए इस तरह के चावल की मदद से बनाया चांद डिजाइन को आकर्षक भी बनाने में मदद करेगा। दीपक जलाकर आप पूजा सकती हैं।

शिवलिंग रंगोली डिजाइन

घर के मंदिर में भगवान शिव की प्रतिमा के सामने आप रंगों की मदद से शिवलिंग रंगोली के माध्यम से बना सकती हैं। इसके लिए आप काले रंग के अलावा अन्य कई रंग इस्तेमाल कर सकती हैं। शिवलिंग के साथ में आप बेलपत्र और फूल डिजाइन की रंगोली भी बना सकती हैं। बेलपत्र और फूलों के डिजाइन को 3डी बनाने के लिए माचिस की तीली की मदद लें।

त्रिशूल रंगोली डिजाइन

ओम के अलावा आप त्रिशूल के डिजाइन को डमरू के साथ में बना सकती हैं। इसके लिए आप भूरे रंग के साथ नारंगी रंग को चुनकर डिजाइन को पूरा करें। आस-पास चाहे तो बॉर्डर के लिए बेलपत्र रंगोली डिजाइन को बना सकती हैं। त्रिशूल और डमरू के आकार को डेप्थ देने के लिए आप सफेद रंग से आउटलाइन कर सकती हैं।

भगवान शिव रंगोली डिजाइन

अगर आप कला से जुड़ी हैं और तरह-तरह के चित्र बनाना पसंद करती हैं तो इस तरह से नीले रंग की मदद लेकर भगवान शिव के चेहरे को रंगोली में बना सकती हैं। रंगोली के डिजाइन को पूरा करने के लिए इस तरह के चावल की मदद से बनाया चांद डिजाइन को आकर्षक भी बनाने में मदद करेगा। दीपक जलाकर आप पूजा सकती हैं।

मोनोक्रोम आउटफिट में स्टनिंग दिखने के लिए इन टिप्स की लें मदद

मोनोक्रोम आउटफिट स्टाइलिंग पिछले काफी समय से चलन में है। जिन महिलाओं के लिए कलर ब्लॉकिंग या कलर व्हील को ध्यान में रखकर सही कलर चुनने में परेशानी होती है, उनके लिए मोनोक्रोम आउटफिट स्टाइल करना अच्छा ऑप्शन है। चूंकि इसमें आपको डिफरेंअ कलर्स सलेक्ट को लेकर बहुत अधिक परेशान नहीं होना पड़ता है और इसे स्टाइलिंग का सेफ ऑप्शन माना जाता है। लेकिन मोनोक्रोम आउटफिट को स्टाइल करना भी इतना आसान नहीं होता। अगर आप मोनोक्रोम आउटफिट कैरी करना चाहती हैं तो यह जरूरी है कि आप इसे स्टाइल करते समय कुछ बातों का खासतौर पर ध्यान रखें। अगर इसकी स्टाइलिंग के दौरान आपसे गड़बड़ी हो जाती है तो आपका लुक एकदम डल व बोरिंग नजर आता है। मोनोक्रोम आउटफिट की स्टाइलिंग के दौरान आपको कलर्स सलेक्शन से लेकर प्रिंट्स व पैटर्न आदि पर भी उतना ही ध्यान देना होता है। तो चलिए आज इस लेख में हम आपको मोनोक्रोम आउटफिट को स्टाइल करने के कुछ बेहतरीन आईडियाज शेयर कर रहे हैं, जिसे जानने के बाद आपको अपने लुक को एन्हॉन्स करना आसान हो जाएगा-

सही हो कलर

मोनोक्रोम आउटफिट में खुद को स्टाइल करते समय जिस बात का सबसे अधिक ध्यान दिया जाना चाहिए, वह है कलर। आप किसी भी कलर शेड को सलेक्ट करते समय अपनी स्किन टोन व ओकेजन का खास ख्याल रखें। मसलन, अगर आप ऑफिस में मोनोक्रोम आउटफिट को स्टाइल कर रही हैं तो ऐसे में आप व्हाइट व ब्लैक कलर को प्राथमिकता दे सकती हैं। वहीं एक पॉप लुक के लिए आप कुछ ब्राइट कलर्स व नियॉन कलर सलेक्ट करें।

लाइट व डार्क शेड

कई बार ऐसा होता है कि हम मोनोक्रोम लुक तो कैरी करना चाहते हैं, लेकिन एक ही कलर में डिफरेंट शेड्सको सलेक्ट करते हैं। इस तरह डिफरेंट शेड्स आपके लुक को खास बनाते हैं। हालांकि, इस दौरान भी आपको शेड्स को सलेक्शन स्मार्टली करना होता है। मसलन, लाइट टिंट आंख को आकर्षित करेगा और उस बॉडी पार्ट को अधिक हाइलाइट करेगा, जबकि एक डार्क शेड ध्यान भटकाएगा। इस तरह आप सही शेड सलेक्शन करें।

एसेसरीज का लें सहारा

मोनोक्रोमेटिक लुक कुछ लड़कियों को काफी बोरिंग लगता है। अगर आपके साथ भी ऐसा ही है तो आप कुछ एसेसरीज के जरिए अपने लुक को स्पाइस अप कर सकती हैं। मसलन, आप हैट से लेकर सनग्लासेस, कुछ चंकी ज्वैलरीज आदि को अपने आउटफिट के साथ पेयर करें। यह आपके लुक की एकरसता को ब्रेककरेंगे और आपके लुक को अधिक स्टाइलिश बनाएंगे।

यूं एड करें टेक्सचर

अगर आप मोनोक्रोम आउटफिट को स्मार्टली कैरी करती हैं तो इससे आप अपने लुक में टेक्सचर को भी बेहद खूबसूरती के साथ शामिल कर सकती हैं और अपने लुक को खास बना सकती हैं। मसलन, आप एक स्लीक टॉप के साथ वुलन स्कर्ट को पेयर कर सकती हैं या फिर बल्कि निट स्वेटर के साथ स्लिम या शाइनी पैंट्स को स्टाइलकिया जा सकता है और इस तरह आप खुद को स्टाइल कर सकती हैं।

फुटवियर सलेक्ट

मोनोक्रोमेटिक लुक में आपके फुटवियर भी काफी अहम् होते हैं। इसमें भी आप कलर्स का सलेक्शन इस आधार पर करें कि आप किस तरह का लुक कैरी करना चाहती हैं। मसलन, व्हाइट, ब्लू एंड ब्लैक कलर मोनोक्रोमेटिक लुक में आप मैचिंग फुटवियर कैरीकरके एक एलीगेंट लुक पा सकती हैं। वहीं, अगर आप थोड़ा एक्सपेरिमेंटल होना चाहती हैं तो ऐसे में प्रिंटेड या फिर ब्राइट व नियॉन कलर को चुन सकती हैं। यह आपके लुक को एकदम से चेंज कर देगा।

थोक कीमतें जून में 0.13 प्रतिशत घटीं

- खाद्य पदार्थों व ईंधन के सस्ता होने से 15 महीने के निचले स्तर पर

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत की थोक मुद्रास्फीति जून में सालाना आधार पर घटकर 0.13 प्रतिशत रह गई। यह अक्तूबर 2023 के बाद से थोक महंगाई की सबसे कम दर है। सरकार की ओर से सोमवार को इससे जुड़े आंकड़े जारी किए गए। इससे पहले, मई में थोक महंगाई दर 14 महीने के निचले स्तर 0.39 प्रतिशत पर आ गई थी। अर्थशास्त्रियों के एक सर्वेक्षण में जून में थोक मूल्य सूचकांक आधारित मुद्रास्फीति

में मामूली वृद्धि के साथ 0.52 प्रतिशत तक पहुंचने का अनुमान लगाया गया था। थोक मुद्रास्फीति में 60 प्रतिशत से ज्यादा हिस्सेदारी रखने वाले विनिर्मित उत्पादों की मुद्रास्फीति इस महीने 1.97 प्रतिशत रही। प्राथमिक वस्तुओं की महंगाई दर जून में 3.38 प्रतिशत रही। मई में यह 2.02 प्रतिशत थी।

इस बीच, ईंधन और बिजली के मामले में मुद्रास्फीति पिछले महीने के 22.27 प्रतिशत के मुकाबले घटकर 2.65 प्रतिशत रह गई। इससे पहले, भारत की खुदरा मुद्रास्फीति मई 2025 में छह साल के निचले स्तर 2.82 प्रतिशत पर आ गई थी। इसमें अप्रैल की तुलना में 34 आधार अंकों की गिरावट देखी गई थी। यह आंकड़ा फरवरी 2019 के बाद से दर्ज सबसे कम वार्षिक मुद्रास्फीति दर है।

सावन के पहले सोमवार को घर से निकलने से पहले चेक करें पेट्रोल-डीजल के रेट

कच्चा तेल 70 डॉलर के पार

नई दिल्ली, एजेंसी। कच्चे तेल की कीमतें एक बार फिर 70 डॉलर प्रति बैरल के पार चली गई हैं। सावन के पहले सोमवार को घर से निकलने से पहले पेट्रोल-डीजल के रेट जरूर चेक कर लें। ऑयल मार्केटिंग कंपनियों ने रोजाना की तरह पेट्रोल-डीजल के रेट आज सुबह छह बजे ही अपडेट कर दी हैं। भारत में पेट्रोल-डीजल

के रेट में आज भी कोई बदलाव नहीं हुआ है। यहां नई दिल्ली में पेट्रोल 94.77 और डीजल 87.67 रुपये लीटर बिक रहा है।

ब्लूमबर्ग के मुताबिक सोमवार 14 जुलाई को 0.10 प्रतिशत की बढ़त के बाद ब्रेंट क्रूड वायदा 70.43 डॉलर प्रति बैरल पर पहुंच गया। यूएस वेस्ट टेक्सास इंटरमीडिएट क्रूड भी 68.49 डॉलर प्रति बैरल हो गया है।

सोने में फिर दिख सकती है जबरदस्त तेजी! दो बड़े फैक्टर निभाएंगे अहम भूमिका

नईदिल्ली, एजेंसी। एमके वेल्थ मैनेजमेंट लिमिटेड की रिपोर्ट के मुताबिक, अंतरराष्ट्रीय बाजार में सोना फिलहाल कंसोलिडेशन फेज में है यानी दाम स्थिर हैं। आमतौर पर यह उस

स्थिति का संकेत होता है जब सोने की कीमतों में आगे चलकर अच्छी तेजी आ सकती है। आने वाले समय में सोने की कीमतों के लिए दो फैक्टर बड़ा रोल निभाएंगे। इनमें यूएस फेडरल का रेट कट और डॉलर इंडेक्स का मूवमेंट अहम होगा।

बिटकॉइन बना सकती है दुनिया का सबसे बड़ा गुमनाम रईस

मस्क से आगे निकल जाएगा यह शख्स

नई दिल्ली, एजेंसी। दुनिया की सबसे पुरानी, सबसे बड़ी और लोकप्रिय क्रिप्टोकरेंसी बिटकॉइन की कीमत आज पहली बार 121,000 डॉलर के पार पहुंच गई। अमेरिका में डेफिसिट स्पेंडिंग क्राइसिस के कारण बिटकॉइन में तेजी आ रही है। इस साल इसकी कीमत में 30 प्रतिशत तेजी आ चुकी है। कई प्राइस मॉडल्स के मुताबिक बिटकॉइन की कीमत 200,000 से 10 लाख डॉलर तक पहुंच सकती है। अगर बिटकॉइन की कीमत 370,000 डॉलर पहुंचती है तो इसके क्रिएटर सतोशी नाकामोतो दुनिया के सबसे बड़े रईस बन जाएंगे। अभी एलन मस्क इस गद्दी पर बैठे हैं जिनकी नेटवर्थ 360 अरब डॉलर है।

नाकामोतो को बिटकॉइन का क्रिएटर माना जाता है। हालांकि अभी तक दुनिया में किसी ने भी उसका चेहरा नहीं देखा है। नाकामोतो ने अक्टूबर 2008 में पब्लिक एमआईटी लाइसेंस के तहत बिटकॉइन वाइटपेपर जारी किया था। 3 जनवरी, 2009 को बिटकॉइन के पहले ब्लॉक की ढलाई की गई थी। इसके साथ ही बिटकॉइन नेटवर्क के लॉन्च की औपचारिक शुरुआत हुई थी। इससे क्रिप्टोकरेंसी और ब्लॉकचेन मूवमेंट शुरू हुआ।

कैसे-कैसे बढ़ी कीमत

माना जाता है कि जनवरी से जुलाई 2009 के बीच नाकामोतो ने 10 लाख से अधिक बिटकॉइन ढाले थे। मौजूदा कीमत के हिसाब से देखें तो नाकामोतो के पास करीब 130 अरब डॉलर के बिटकॉइन हैं।

इस हिसाब वह अभी दुनिया के 12वें सबसे अमीर शख्स हैं। अगर बिटकॉइन की कीमत 370,000 डॉलर पहुंचती है तो नाकामोतो की नेटवर्थ 370 अरब डॉलर पहुंच जाएगी। इस तरह वह मस्क को पछाड़कर दुनिया के सबसे बड़े रईस बन जाएंगे।

बिटकॉइन की कीमत 2010 में 0.5 थी। एक साल बाद यानी 2011 में इसका प्राइस 31.9 पहुंच गई लेकिन 2012 में घटकर 15.4 रह गई। इसमें पहली बड़ी उछाल 2013 में आई और यह 1,241 पहुंच गई। 2014 में यह 1,093 और 2015 में 492 पर आ गई। 2016 में इसकी कीमत 982 पहुंची और 2017 में 19,870।

साल 2018 और 2019 में इसमें गिरावट रही। 2020 में यह 29,298, 2021 में 68,990, 2022 में 48,199, 2023 में 44,697 और 2024 में 108,244 डॉलर पहुंची।

10000 के बना दिए डेढ़ लाख रुपये, इस शेयर में रोजाना लग रहा अपर सर्किट, कभी 15 रुपये से कम थी कीमत

नई दिल्ली, एजेंसी। सोमवार सुबह शेयर मार्केट में गिरावट रही। वहीं कई शेयर ऐसे भी रहे जिनमें तेजी देखी गई। ऐसा ही एक शेयर स्टॉक मार्केट में मल्टीबैगर बना हुआ है। देखते ही देखते इस शेयर में गजब की तेजी आई है। इसने 6 महीने से भी कम समय में 10 हजार रुपये के निवेश को डेढ़ लाख रुपये से ज्यादा में बदल दिया है। साथ ही इसमें रोजाना अपर सर्किट लग रहा है। इस शेयर का नाम आरडीबी रियल एस्टेट कंस्ट्रक्शन लिमिटेड है। आडीबी के शेयर में सोमवार को भी 2 फीसदी का अपर सर्किट लगा। इस तेजी के साथ यह शेयर 235.55 रुपये पर पहुंच गया। कभी इस शेयर की कीमत 15 रुपये से भी कम हुआ करती थी। इस साल 31 जनवरी के बाद से इसमें जबरदस्त तेजी आई है।

दो महीने में दोगुना रिटर्न- इस शेयर का एक महीने का रिटर्न जबरदस्त रहा है। इसने एक महीने में करीब 48 फीसदी रिटर्न दिया है। वहीं यह शेयर दो महीने से भी कम समय में निवेशकों को दोगुना रिटर्न दे चुका है। 23 मई को इस शेयर की कीमत 116 रुपये थी। अब यह शेयर 235.55 रुपये पर है। ऐसे में यह शेयर निवेशकों की रकम को दो महीने से भी कम समय में दोगुने से ज्यादा कर चुका है।

इस साल कर दिया कमाल

आडीबी के शेयर ने इस साल छप्परफाड़ रिटर्न दिया है। 6 महीने से भी कम समय में इसने 1500 फीसदी से ज्यादा रिटर्न दिया है। 31 जनवरी इस शेयर की कीमत 13.54 रुपये थी यानी 15 रुपये से भी कम। अब इसकी कीमत 235.55 रुपये है।

ऐसे में यह शेयर 6 महीने से भी कम समय में करीब 1640 फीसदी रिटर्न दे चुका है। अगर आपने 31 जनवरी को इसमें 10 हजार रुपये का निवेश किया होता, तो उनकी वैल्यू आज 1.74 लाख रुपये होती। यानी आपको 10 रुपये के निवेश पर 1.64 लाख रुपये का फायदा हो चुका होता।

क्या है कंपनी की कारोबार

इस कंपनी की स्थापना साल 2018 में हुई थी। यह रियल एस्टेट कारोबार से जुड़ी है। यह कंपनी आरडीबी ग्रुप का हिस्सा है। यह कंपनी रेजिडेंशियल, कमर्शियल और रिटेल सेक्टर के प्रोजेक्ट में डील करती है।

लखटकिया गोल्ड: भारतीय परिवारों के पास 25000 टन सोना

विशेषज्ञ से जानिये घर में रखे सोने का क्या करें

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत में सोना सिर्फ धन नहीं, यह हमारी पहचान का हिस्सा है। यह वह बेशकीमती उपहार है, जो दादी-नानी शादी में आशीर्वाद के रूप में देती हैं।माता-पिता इसे गुपचुप तरीके से तिजोरी में सहेज कर रखते हैं और जरूरत के समय यही सोना हर परिवार का सहारा बनता है। इस प्रकार, सोना सिर्फ धातु नहीं, बल्कि यादों, परंपरा और भावनाओं का प्रतीक है।लेकिन, यह बात भी नहीं भूलनी चाहिए कि सोना दुनियाभर में सबसे भरोसेमंद निवेश विकल्प भी है। बात जब निवेश की आती है, तो आपको अपने पोर्टफोलियो को संतुलित बनाना भी जरूरी होता है।ऐसे में यह सवाल भी उठता है कि सोने को सिर्फ घर में रखकर छोड़ देना कितना सही फैसला है।

भारतीय परिवारों के पास 25,000 टन सोना- सोना चाहे जेवर के रूप में हो या डिजिटल स्वरूप में, भारतीयों का सोने के प्रति प्यार न केवल भावनात्मक है, बल्कि आर्थिक रूप से भी बहुत महत्वपूर्ण है। वर्ल्ड गोल्ड काउंसिल (डब्ल्यूजीसी) के आंकड़ों के मुताबिक, भारतीय परिवारों और संस्थानों के पास कुल मिलाकर लगभग 25,000 टन फिजिकल सोना मौजूद है।इसका अनुमानित मूल्य 2.5 लाख करोड़ रुपये है, जबकि डिजिटल सोने की अनुमानित कीमत 4,000 करोड़ रुपये है।इसका मतलब है कि हमारे घरों में दुनिया की कुछ बड़ी अर्थव्यवस्थाओं के आधिकारिक स्वर्ण भंडार से भी ज्यादा सोना मौजूद है।

पोर्टफोलियो में गोल्ड इसलिए जरूरी- सोना स्थिरता की निशानी है। जब सब कुछ डगमगाता है, तब सोना अडिग रहता है। बाजार की उथलपुथल, महामारी, युद्ध या महंगाई के दौरान यह वित्तीय ढाल की तरह काम करता है।

वित्तीय सलाहकार आमतौर पर आपके कुल पोर्टफोलियो का 15 से 25 फीसदी सोने में निवेश करने की सलाह देते है।हालांकि, यह हिस्सेदारी आपके वित्तीय लक्ष्यों, जोखिम लेने की क्षमता, निवेश अवधि और समग्र संपत्ति मिश्रण पर निर्भर करती है। 15-25 फीसदी की यह निवेश सीमा आपके पोर्टफोलियो को इक्विटी और अन्य संपत्तियों से वृद्धि की संभावना के साथ सोने से मिलने वाली स्थिरता और सुरक्षा के बीच संतुलन बनाए रखने में मदद करती है।

दाम बढ़ रहा हो, तो बेचना कितना सही- 2015 में सोने की कीमत लगभग 26,343 रुपये प्रति 10 ग्राम थी और अप्रैल, 2025 तक यह करीब 1,00,000 रुपये प्रति 10 ग्राम तक पहुंच गई।इस प्रकार, सोने ने 10 वर्षों में लगभग 280 फीसदी रिटर्न दिया है।

यह बाजार के अन्य निवेश विकल्पों से कहीं ज्यादा बेहतर प्रदर्शन है। दुनियाभर में चल रहे उथल-पुथल के चलते आने वाले साल में सोने में 20-30 फीसदी और तेजी का अनुमान है। इस ताबड़तोड़ तेजी के बीच लोगों के मन में सोना बेचने का विचार आता है। हालांकि, सोने को बेचना आपकी वित्तीय जरूरतों पर निर्भर करता है। लेकिन, सही कीमत पाने के लिए आपको जेवर को हॉलमार्क कराना होगा।

शेयर बढ़ने पर बेच देते हैं, तो सोना क्यों नहीं

सोना सिर्फ धातु नहीं, भावनाओं का खजाना है। सोने की चेन आपको मां की याद दिला सकती है। आपकी तिजोरी में जो सोने का सिक्का रखा है, अब आपको अपने बच्चे की पैदाइश याद दिला सकता है। यही कारण है कि सोने को बेचना हमें अपनी विरासत से बिछड़ने जैसा लग सकता है। लेकिन, ध्यान रखें कि सोना एक संपत्ति भी है और शेयरों की तरह इसका मूल्यांकन करना जरूरी है। अगर आप शेयर बाजार में निवेश करते हैं, तो भाव बढ़ने पर शेयर बेच देते हैं।लेकिन, सोना बेचना नहीं चाहते।ऐसे में आप गोल्ड लोन ले सकते हैं। वहीं, अगर आपके पास डिजिटल सोना है, तो आप इसे गोल्ड एफडी स्कीम में डालकर सालाना 2.5 फीसदी ब्याज कमा सकते हैं।

डिजिटल दौर में गोल्ड में निवेश के कईविकल्प

सोना खरीदने के लिए आमतौर पर हम सुनार के पास जाते हैं। लेकिन, गहनों के साथ मेकिंग चार्ज जुड़े होते हैं, ऐसे में निवेश के लिए गहने खरीदने की सलाह नहीं दी जाती। आज के डिजिटल दौर में हमारे पास सोने में निवेश के कुछ खास विकल्प भी हैं। आप डिजिटल गोल्ड खरीद सकते हैं।आप 100 रुपये जितनी कम राशि से भी सोना खरीद सकते हैं।

भारत की लाइफ इंश्योरेंस इंडस्ट्री 3-5 वर्षों में 10-12 प्रतिशत की दर से बढ़ेगी

नईदिल्ली, एजेंसी। भारतीय जीवन बीमा उद्योग ने संशोधित सरेंडर वैल्यू नियमों, कम क्रेडिट लाइफ सेल्स और ग्रुप सिंगल प्रीमियम के प्रभाव के बीच जून में 41,117.1 करोड़ रुपए के नए बिजनेस प्रीमियम रजिस्टर किए। यह जानकारी एक लेटेस्ट रिपोर्ट में दी गई। केयरएज रेटिंग्स को उम्मीद है कि लाइफ इंश्योरेंस इंडस्ट्री अगले तीन से पांच वर्षों में 10-12 प्रतिशत की दर से बढ़ता रहेगा, जो प्रोडक्ट इनोवेशन के साथ-साथ सहायक नियमों, तेज डिजिटलीकरण, प्रभावी वितरण और बेहतर ग्राहक सेवाओं के कारण संभव होगा।

जून में, एनुअल प्रीमियम इक्विवेलेंट (एपीई) में 2.5 प्रतिशत की वृद्धि हुई, जो पिछले वर्ष की इसी अवधि में हुई 20.0 प्रतिशत की वृद्धि की तुलना में धीमी वृद्धि दर है। रिपोर्ट के अनुसार, एपीई के संदर्भ में, इंडस्ट्री जून 2023 और जून 2025 के बीच 11.0 प्रतिशत सीएजीआर से बढ़ी। इस अवधि के दौरान, निजी बीमा कंपनियों की वृद्धि दर 15.4 प्रतिशत रही।

केयरएज रेटिंग्स के एसोसिएट डायरेक्टर सौरभ भालेराव ने कहा, पहली तिमाही आमतौर पर जीवन बीमा क्षेत्र के लिए एक धीमी अवधि होती है, क्योंकि यह वित्त वर्ष के अंत के बाद आती है, जब अधिकांश रिटेल कस्टमर आखिरी समय में जल्दबाजी में पॉलिसी खरीद चुके होते हैं। वित्त वर्ष 2026 की पहली तिमाही में तिमाही आधार पर वृद्धि 4.3 प्रतिशत रही है, जबकि एक वर्ष पहले इसी तिमाही में 22.9 प्रतिशत की वृद्धि हुई थी। इसका मुख्य कारण उपभोक्ता मांग में कमी और संशोधित सरेंडर वैल्यू दिशानिर्देशों का प्रभाव रहा।

भालेराव ने कहा कि एलआईसी और निजी कंपनियों ने इंडिविजुअल सिंगल और नॉन-सिंगल प्रीमियम में प्रीमियम वृद्धि दर्ज की है, जो दर्शाता है कि उनके पास एक मजबूत वितरण चैनल है और सरेंडर वैल्यू नियमों में बदलाव के बीच वे उच्च मूल्य वाली पॉलिसियों की ओर बढ़ रहे हैं। व्यक्तिगत और वार्षिक समूह व्यवसाय ने इस महीने की वृद्धि को गति दी है।

संपत्ति बीमा: छोटे उद्योगों को आर्थिक झटकों से बचाकर रफ्तार देने में मददगार

नई दिल्ली, एजेंसी। एक सर्वे में पता चला है कि 70 फीसदी छोटे एवं मध्यम उद्यमों (एसएमई) ने पिछले तीन साल में कारोबार से जुड़ा कम-से-कम एक जोखिम अवश्य झेला है।लेकिन, इनमें 20 फीसदी से भी कम के पास ही जोखिमों को कवर करने वाली अच्छी बीमा पॉलिसी थी। व्यापक कवर वाली बीमा पॉलिसी का अभाव छोटे उद्योगों के टिकाऊ बने रहने और आगे बढ़ने की राह में बड़ा रोड़ा है। वह भी तब, जब देश की अर्थव्यवस्था और रोजगार में इनकी बड़ी भूमिका है।ऐसे में प्राकृतिक आपदाओं से होने वाले नुकसान से बचाकर कारोबार को रफ्तार देने में संपत्ति बीमा छोटे उद्योगों के लिएमददगार साबित हो सकती है। बिजली गिरने से लेकर दंगों से होने वाले नुकसान पर भी मुआवजा 2013 में चक्रवात फैलिन और पुरी जिले में आई बाढ़ से एसएमई को 1.48 करोड़ रुपये का नुकसान हुआ।यानी हर उद्यम को औसत 1.26 लाख का झटका लगा। यही कारण है कि संपत्ति बीमा महत्वपूर्ण हो जाता है, जो सुनिश्चित करता है कि औद्योगिक इकाइयों, गोदामों, शैक्षणिक संस्थानों और होटलों जैसे विभिन्न संपत्ति जोखिमों के लिए व्यापक कवरेज मिले।

आपके हर ट्रांजैक्शन पर इनकम टैक्स डिपॉर्टमेंट की नजर

7 जगह चूके तो नोटिस आना तय

विदेश घूमने पर पैसे उड़ाना

नई दिल्ली, एजेंसी। पहले जहां नकदी का जोर था तो पेमेंट छुपे रहते थे। अब डिजिटल दौर आ गया है। ऑनलाइन पेमेंट, बैंक ट्रांजैक्शन सबकी चिट्ठी खुल गई है। इनकम टैक्स विभाग की नजर अब हर पैसे पर है। पर जितना सबकुछ मॉडर्न हुआ, उतनी ही चालाकी से चोरी-धोखाधड़ी करने वाले भी बढ़े। इसलिए सरकार ने कुछ नए नियम बना डाले हैं।

सीए अजय बगड़िया ने बताया, आमतौर पर हर ट्रांजैक्शन पर इनकम टैक्स की नजर बनी रहती है। आप कितने रुपये की ऑनलाइन पेमेंट कर रहे हैं या फिर कैश के जरिए कुछ सामान खरीद रहे हैं। उन सब पर इनकम टैक्स डिपार्टमेंट की नजर रहती है। आईटीआर भरते समय अगर सावधानी नहीं रखी गई तो चूक होने पर विभाग नोटिस जारी कर सकता है। अगर आपने नीचे बताई गई 7 चीजें कीं, तो इनकम टैक्स वाले बाबू का नोटिस घर आ सकता है-...

क्रेडिट कार्ड का बिल कैश से भरना- बगड़िया इसे उदाहरण के साथ बताते हैं, मान लीजिए राजू ने अपना क्रेडिट कार्ड बिल करीब 1 लाख कैश जमा किया। टैक्स वालों ने कहा कि अरे भई। इतना बड़ा बिल कैश में क्यों भरा कहीं काला धंधा तो नहीं चल रहा यानी इसका मतलब है कि नोटिस का खतरा बढ़ गया। 1 लाख या ज्यादा कैश में बिल भरने पर सीधा रडार पर चढ़ जाओगे।

बैंक में नकदी का ढेर लादना- इस मामले में मान लीजिए सीमा ने बैंक में 10 लाख से ज्यादा कैश जमा किया। टैक्स अफसर नोटिस भेजकर पूछे, ये पैसा आया कहाँ से कमाई का सबूत दो। बगड़िया कहते हैं, ध्यान रहे, नोटिस आना मतलब गुनाहगार नहीं, बस सफाई देनी पड़ेगी। गड़बड़ लगी तो जुर्माना भी होगा।

क्रेडिट कार्ड से शॉपिंग का जुनून- बगड़िया एक उदाहरण से समझाते हैं कि मान लीजिए विजय का

क्रेडिट कार्ड सालभर में 2 लाख से ज्यादा खर्च हुआ। इनकम टैक्स का नोटिस पहुंचा और विभाग ने पूछा, इतना खर्चा तनख्वाह कितनी है मैच करा के दिखाओ। बगड़िया कहते हैं कि बड़े-बड़े ट्रांजैक्शन हमेशा उनकी नजर में रहते हैं।

शेयर/म्यूचुअल फंड में पैसा झोंकना- सीए संतोष मिश्रा कहते हैं, मान लीजिए प्रिया ने शेयरों में 10 लाख से ज्यादा लगाए। नोटिस में डिपॉर्टमेंट ने पूछा, ये पैसा कहां से आया हमें तो पता चल ही गया। मिश्रा कहते हैं कि आप चाहे न बताएं, बैंक/ब्रोकर खुद रिपोर्ट कर देते हैं।

प्रॉपर्टी खरीदो तो नकदी न दिखाना- सीए संतोष मिश्रा कहते हैं, मान लीजिए राहुल ने 30 लाख (कहीं 20/50 लाख भी) की प्रॉपर्टी खरीदी और कुछ पैसे कैश में दिए। इस पर विभाग नोटिस जारी कर पूछ सकता है, कैश किसे दिया रसीद कहां है पैसे का सोर्स बताओ। उन्होंने कहा कि अगर गोलमाल हुआ तो नोटिस और जुर्माना तय है।

विदेश घूमने पर पैसे उड़ाना

एक और केस में उदाहरण के साथ सीए अजय बगड़िया कहीते हैं, मान लीजिए अनीता ने एक साल में विदेश ट्रिप पर 2 लाख से ज्यादा खर्च किए। टैक्स वालों पूछ सकते हैं, इतना खर्च करने की हैसियत कैसे सैलरी कितनी हैयाद रखिए विदेश जाने वाला हर बड़ा खर्च उनके पास पहुंचता है। अगर किसी मोहन ने 10 लाख से ज्यादा कैश देकर स्नष्ठ कराई तो डिपॉर्टमेंट पूछ सकता है किकैश में स्नष्ठ ये पैसा किस काले धंधे से आया बैंक की ड्यूटी है कि वो खुद टैक्स विभाग को बता देते हैं।

नोटिस आए तो घबराएं नहीं- सीए अभिनंदन पांडेय कहते हैं कि टैक्स नोटिस आए तो घबराए नहीं। सबूत इकट्ठा करो- बैंक स्टेटमेंट, पे-स्लिप, बिक्री का बिल, गिफ्ट डीड (अगर कोई रिश्तेदार ने पैसे दिए हों)। जवाब ईमानदारी से दें,- झूठ बोले तो मुसीबत बढ़ेगी। ट्ट से सलाह लें और उनकी मदद से जवाब देना सबसे सुरक्षित रास्ता है।

ऑस्ट्रेलियाई खिलाड़ी स्कॉट बोलैंड ने रचा इतिहास

सर्वश्रेष्ठ गेंदबाजी औसत का बनाया रिकॉर्ड

जमैका, एजेंसी। ऑस्ट्रेलियाई तेज गेंदबाज स्कॉट बोलैंड ने इतिहास रच दिया है। वह साल 1915 के बाद से 2000 गेंदें फेंकने वाले क्रिकेटर्स में सर्वश्रेष्ठ गेंदबाजी औसत वाले टेस्ट खिलाड़ी बन गए हैं। स्कॉट बोलैंड ने यह उपलब्धि सबीना पार्क में वेस्टइंडीज के खिलाफ तीसरे टेस्ट में हासिल की, जहां उन्होंने 13.1 ओवरों में 34 रन देकर तीन विकेट अपने नाम किए। बोलैंड का टेस्ट में गेंदबाजी औसत 17.33 का है, जो टेस्ट क्रिकेट के पिछले 110 वर्षों (कम से कम 2000 गेंदें) में किसी भी गेंदबाज का सर्वश्रेष्ठ है। 1900 के बाद से बोलैंड से आगे इस सूची में केवल इंग्लैंड के सिड बार्न्स ही हैं। इनके अलावा बोलैंड से ऊपर मौजूद अन्य छह गेंदबाज 1800 के दशक से हैं। जमैका में ऑस्ट्रेलिया-वेस्टइंडीज के बीच खेले जा रहे तीसरे टेस्ट में टॉस जीतकर बल्लेबाजी के लिए उतरी ऑस्ट्रेलियाई टीम पहली पारी में 225 रन पर ढेर हो गई।

ऑस्ट्रेलिया के लिए स्टीव स्मिथ ने सर्वाधिक 48 रन बनाए, जबकि कैमरून ग्रीन ने 46 रन की पारी खेली। मेजबान टीम की ओर से शमार जोसेफ ने सर्वाधिक चार विकेट झटके। इसके जवाब में, वेस्टइंडीज की पहली पारी 143 रन पर सिमट गई। टीम के लिए जॉन कैंपबेल ने सर्वाधिक 36 रन बनाए। बोलैंड सर्वाधिक तीन विकेट चटकाने वाले ऑस्ट्रेलियाई गेंदबाज रहे। पहली पारी में बढ़त हासिल करने के बाद ऑस्ट्रेलिया ने दूसरे दिन की समाप्ति तक दूसरी पारी में छह विकेट खोकर 99 रन बनाए। ऑस्ट्रेलिया की ओर से दूसरी पारी में कैमरून ग्रीन नाबाद 42 रन बना चुके हैं। दिन की समाप्ति तक दूसरे छोर पर उनके साथ कप्तान पैट कमिंस (5) थे। मेहमान टीम के पास फिलहाल 181 रन की बढ़त है। ऑस्ट्रेलिया पहले ही इस सीरीज पर 2-0 से अपना कब्जा कर चुका है। ऐसे में वेस्टइंडीज के पास इस मुकाबले को जीतकर सम्मान बचाने का मौका है।

सॉफ्टबाल में शिमला और सिरमौर की दो बेटियां चीन में दिखाएंगी दम

शिमला/सांगला, एजेंसी। शिमला जिले के कोटखाई की कविता ठाकुर और सिरमौर की कृषिका को एशिया कप महिला सॉफ्टबाल चैंपियनशिप के लिए भारतीय टीम में चुना गया है। चीन के शियान में होने वाली एशिया कप महिला सॉफ्टबाल चैंपियनशिप में जिला शिमला और सिरमौर की बेटियां हिस्सा लेंगी। कप 14 से 20 जुलाई तक होगा। शिमला जिले के कोटखाई की कविता ठाकुर और सिरमौर की कृषिका को एशिया कप महिला सॉफ्टबाल चैंपियनशिप के लिए भारतीय टीम में चुना गया है। छह दिनों तक चलने वाली चैंपियनशिप में 10 देशों की टीमों के बीच कड़े मुकाबले खेले जाएंगे।

शीर्ष दो में स्थान पाने वाली टीमें साल 2026 में होने वाले वर्ल्ड कप वुमन सॉफ्टबाल के लिए क्वालीफाई करेंगी। भारतीय टीम की नजर न सिर्फ पदक पर बल्कि वर्ल्ड कप के टिकट पर भी टिकी हुई हैं।

FIFA Club World Cup:

ट्रंप ने चेल्सी की जीत के जश्न में डाला खलल! ट्रॉफी सौंपने के बाद पोडियम से हटे ही नहीं

ईस्ट रदरफोर्ड (अमेरिका), एजेंसी। ट्रंप ने विजेता टीम चेल्सी को ट्रॉफी तो सौंपी, लेकिन पोडियम से हटने को तैयार ही नहीं हुए। फिर फीफा के अध्यक्ष जियानी इन्फेंटिनो उन्हें पोडियम पर ही पीछे के हिस्से में ले गए। इस घटना ने न सिर्फ फैंस को, बल्कि चेल्सी के खिलाड़ियों को भी चौंका दिया। कोल पामर के दो गोल और जोआओ पेड्रो के एक गोल की मदद से चेल्सी ने यूरोपीय चैंपियन पेरिस सेंट जर्मेन (पीएसजी) को 3-0 से हरा कर क्लब विश्व कप फुटबॉल टूर्नामेंट का खिताब जीता। फीफा क्लब विश्व कप का फाइनल किसी फिल्म से कम नहीं रहा। इसमें रोमांच, ड्रामा, मारपीट..सब देखने को मिला। मैच के दौरान पीएसजी और चेल्सी के खिलाड़ी और स्टाफ आपस में भिड़ गए। वहीं, एक अप्रत्याशित चीज भी हुई। अमेरिका के ईस्ट रदरफोर्ड में हुए इस मैच को देखने अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप भी पहुंचे थे। उन्होंने विजेता टीम चेल्सी को ट्रॉफी तो सौंपी, लेकिन पोडियम से हटने को तैयार ही नहीं हुए। फिर फीफा के अध्यक्ष जियानी इन्फेंटिनो उन्हें पोडियम पर ही पीछे के हिस्से में ले गए। इस घटना ने न सिर्फ फैंस को, बल्कि चेल्सी के खिलाड़ियों को भी चौंका दिया।

मैच में क्या हुआ?

पामर ने 22वें और 30वें मिनट में पेनल्टी क्षेत्र के अंदर से बाएं पैर से लगभग एक जैसे गोल किए। इसके बाद उन्होंने तीसरा गोल करने में भी मदद की। उनके पास पर जोआओ पेड्रो ने 43वें मिनट में गोलकीपर जियानलुइगी डोनारुम्मा को छकाकर गोल किया जो दो जुलाई को चेल्सी से जुड़ने के बाद इंग्लैंड के इस क्लब की तरफ से उनका तीसरा गोल रहा। दो साल पहले मैनचेस्टर सिटी से चेल्सी में शामिल हुए 23 वर्षीय पामर ने इस सत्र में 18 गोल किए। पीएसजी ने अपनी तरफ से वापसी के हर संभव प्रयास किए, लेकिन चेल्सी की मजबूत रक्षा पंक्ति के सामने उसकी एक नहीं चली। उसे मैच के अंतिम कुछ मिनट 10 खिलाड़ियों के साथ खेलने पड़े क्योंकि 84वें मिनट में मार्क कुकुरेला को बाल पकड़कर गिराने के कारण जोआओ नेवेस को लाल कार्ड दिखा कर बाहर कर दिया गया था। इससे पहले टूर्नामेंट में शानदार प्रदर्शन करने वाली पीएसजी की टीम इस सत्र में लीग 1, कूप डी फ्रांस और अपना पहला चैम्पियंस लीग खिताब हासिल करने के बाद अपना चौथा खिताब जीतने की कोशिश में थी।

मैच में हुई लड़ाई

रविवार को हुए फीफा क्लब विश्व कप फाइनल मैच में हाथापाई हो गई, जिसमें पेरिस सेंट जर्मेन के कोच लुइस एनरिक और गोलकीपर जियानलुइगी डोनारुम्मा चेल्सी के फॉरवर्ड जोआओ पेड्रो को धक्का देते हुए दिखाई दिए। एनरिक सेंटर सर्कल के पास मैदान पर थे और ऐसा लग रहा था जैसे उन्होंने जोआओ पेड्रो का गला दबा दिया हो। पीएसजी के गोलकीपर डोनारुम्मा ने 23 वर्षीय पेड्रो को धक्का भी दिया, जिससे वह गिर गए। चेल्सी के मैनेजर एंजो मारेस्का ने साथी इतालवी खिलाड़ी डोनारुम्मा को मैदान से जाने को कहा।

चेल्सी ने पीएसजी को हराकर फीफा क्लब विश्व कप जीता

न्यू जर्सी, एजेंसी। कोल पाल्मर के शानदार प्रदर्शन की बदौलत चेल्सी ने सोमवार को पेरिस सेंट-जर्मेन पर 3-0 की शानदार जीत के साथ फीफा क्लब विश्व कप अपने नाम किया। मेटलाइफ स्टेडियम में हुए इस धमाकेदार फाइनल में, पाल्मर ने शुरुआती हाफ में आठ मिनट के अंतराल में दो गोल किए। मुकाबले के 22वें मिनट मॉलो गुस्टो की मदद से पाल्मर ने पहला गोल दागा। इसके बाद 30वें मिनट पाल्मर ने एक बार फिर गोल करते हुए टीम की बढ़त को दोगुना कर दिया। जोआओ पेड्रो ने मुकाबले के 43वें मिनट गोल दागते हुए टीम की बढ़त को 3-0 कर दिया। जोआओ पेड्रो के इस गोल ने चेल्सी की जीत को लगभग पक्का कर दिया था। पीएसजी की टीम इस पूरे मुकाबले में कोई गोल नहीं दाग सकी। चेल्सी 17 गोल के साथ टूर्नामेंट में शीर्ष स्कोरर रही। यह मुकाबला करीब 81 हजार दर्शकों से भरे स्टेडियम में खेला गया, जिसमें अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप भी शामिल थे। फाइनल में पहली बार हाफ-टाइम शो का आयोजन किया गया, जिसने मुकाबले को सुपर बाउल जैसा अनुभव दिया। ट्रंप ने विजेता टीम को ट्रॉफी दी। क्लब को इस जीत के साथ करीब 125 मिलियन अमेरिकी डॉलर की इनामी राशि भी मिली। चेल्सी ने दूसरी बार क्लब ट्रॉफी अपने नाम की है। इससे पहले उसने साल 2021 में खिताब जीता था। पीएसजी की टीम इस खिताब को जीत नहीं सकी, लेकिन चैंपियंस लीग और फ्रेंच लीग कप डबल जीतना, उसके सीजन की बड़ी उपलब्धि रही है। चेल्सी के युवा खिलाड़ी कोल पाल्मर को गोल्डन बॉल से सम्मानित किया गया। यह अवॉर्ड टूर्नामेंट के बेस्ट खिलाड़ी को दिया जाता है। इस टूर्नामेंट में पाल्मर ने तीन गोल के साथ दो असिस्ट भी किए।

लिवरपूल ने प्री-सीजन की शुरुआत प्रेस्टन पर 3-1 की जीत के साथ की, जोटा-सिल्वा को दी गई श्रद्धांजलि

नई दिल्ली, एजेंसी। लिवरपूल ने अपने 2025-26 प्री-सीजन की शुरुआत डीपडेल में प्रेस्टन नॉर्थ एंड पर 3-1 से जीत के साथ की। यह जीत लिवरपूल के लिए बेहद भावनात्मक थी। लिवरपूल के खिलाड़ी डिओगो जोटा की पिछले सप्ताह स्पेन में एक कार दुर्घटना में मौत हो गई थी। हादसे में जोटा के भाई आंद्रे सिल्वा की भी मौत हो गई थी। मैच शुरू होने से पहले, स्टेडियम का माहौल बेहद भावुक था। प्रेस्टन और लिवरपूल के खिलाड़ियों ने प्रशंसकों के सामने एक मिनट का मौन रखा और जोटा के लिए पुष्पांजलि अर्पित की। मैच से पहले यू विल नेवर वॉक अलोन का भावपूर्ण लाइव प्रदर्शन हुआ। दोनों टीमों के खिलाड़ियों ने बांह पर काली पट्टी बांध रखी थी। 20वें मिनट में, जब दोनों भाइयों की तस्वीर दिखाई गई, तो पूरा स्टेडियम तालियों की गड़गड़ाहट से भर गया। जोटा के लिए भावुक गीत भी गाया गया। डिओगो और आंद्रे को दी जाने वाली श्रद्धांजलि यहीं नहीं रुकी। लिवरपूल के डार्विन नुनेज ने दूसरे हाफ में जोटा के प्रतिष्ठित गोल सेलिब्रेशन की नकल करके अपने गोल का जश्न मनाया, जबकि कोडी गाकपो ने बाद में जोटा की शर्ट नंबर - 20 का इशारा करते हुए अपने गोल का जश्न मनाया, जिससे प्रशंसक खुशी से झूम उठे। मैदान पर, रेड्स ने शानदार प्रदर्शन किया। कॉनर ब्रैडली ने पहले हाफ के आखिर में स्कोरिंग की शुरुआत की, जिसमें किशोर रियो न्गुमोहा और फेडेरिको चिएसा ने भी मदद की। ब्रेक के बाद नुनेज ने रक्षात्मक गलती का फायदा उठाकर बढ़त दोगुनी कर दी और गैकपो ने अंतिम मिनटों में प्रेस्टन के लियाम लिंडसे द्वारा एक शक्तिशाली हेडर से गोल करने के बाद तीसरा गोल दागा।

विंबलडन 2025:

वेरोनिका कुदेरमेतोवा और एलिस मर्टेंस ने महिला युगल खिताब जीता

लंदन, एजेंसी। 8वीं वरीयता प्राप्त वेरोनिका कुदेरमेतोवा और एलिस मर्टेनस ने विंबलडन 2025 के महिला युगल का खिताब जीत लिया। इस जोड़ी ने चौथी वरीयता प्राप्त सीह सु-वेई और जेलेना ओस्टापेंको को 3-6, 6-2, 6-4 से हराया। पहला सेट हारने के बाद, कुदेरमेतोवा और मर्टेन्स ने दृढ़ता दिखाई और दूसरे सेट में हसीह की सर्विस दो बार तोड़कर मैच बराबरी पर ले आईं। कुदेरमेतोवा के नेट प्ले और मर्टेन्स की बेसलाइन पर लगातार स्थिरता ने मैच का रुख उनके पक्ष में मोड़ना शुरू कर दिया। तीसरे सेट में एक और मोड़ आया जब हसीह और ओस्टापेंको ने 4-2 की बढ़त बना ली, लेकिन आठवीं वरीयता प्राप्त जोड़ी ने वापसी की। कुदेरमेतोवा ने चैंपियनशिप पॉइंट पर वॉली विनर के साथ जीत पक्की की और अंततः डब्ल्यूटीए के अनुसार अपना पहला ग्रैंड स्लैम युगल खिताब जीता। यह जीत कुदेरमेतोवा के लिए विशेष महत्व रखती है, जो 2021 के विंबलडन फाइनल में बुरी तरह से हार गई थीं। इस बीच, उनकी जोड़ीदार मर्टेन्स ने अपना पांचवां प्रमुख युगल खिताब और विंबलडन में अपना दूसरा खिताब हासिल किया।

मर्टेन्स ने पिछला विंबलडन खिताब 2021 में जीता था, जब उन्होंने हसीह के साथ मिलकर कुदेरमेतोवा और एलेना वेस्नीना को हराया था।

कुदेरमेतोवा और मर्टेन्स की जोड़ी 2022 में शीर्ष जोड़ी रही थी, जिसने डब्ल्यूटीए फाइनल में जीत हासिल की थी। दो सीजन अलग रहने के बाद, वे फिर से साथ आए और जल्द ही अपनी लय पा ली। मैड्रिड और रोम टूर्नामेंट के फाइनल में पहुंचने के बाद विंबलडन का खिताब जीतकर अपना श्रेष्ठ प्रदर्शन किया। ओस्टापेंको के लिए, यह हार विशेष रूप से निराशाजनक थी क्योंकि जीत उन्हें डब्ल्यूटीए डबल्स की नई विश्व नंबर 1 खिलाड़ी बना देती। उन्होंने और हसीह के साथ मुकाबले की शुरुआत में शानदार प्रदर्शन किया था और पहले सेट में 1-4 से पिछड़ने के बाद वापसी की, लेकिन कुदेरमेतोवा और मर्टेन्स ने आखिरकार मैच को जीत लिया।

कबड्डी विश्वकप खेल सकती हैं हिमाचल की 5 से 6 बेटियां, अंतिम कोचिंग कैंप के लिए हुआ चयन

धर्मशाला, एजेंसी। कबड्डी विश्व कप के लिए भारतीय टीम के चयन के लिए अंतिम कोचिंग कैंप में हिमाचल की छह खिलाड़ियों का चयन हुआ है। भारत में होने वाले कबड्डी विश्व कप के लिए भारतीय टीम के चयन के लिए अंतिम कोचिंग कैंप में हिमाचल की छह खिलाड़ियों का चयन हुआ है। उम्मीद जताई जा रही है कि इनमें से पांच से छह खिलाड़ियों को भारतीय टीम में जगह मिल सकती है। ये सभी खिलाड़ी फाइनल कोचिंग कैंप में भाग लेंगी और अपने खेल के दम पर टीम में जगह बनाने का प्रयास करेंगी। पहले विश्व कप जुलाई में होना प्रस्तावित था। इस बीच कुछ कारणों से अब इसे अगस्त में आयोजित किया जा रहा है।

यह प्रतियोगिता अब 3 से 10 अगस्त तक हैदराबाद में होगी। इससे पूर्व एशियन कबड्डी चैंपियनशिप में भी पांच खिलाड़ियों पुष्पा, ज्योति, भावना, साक्षी और रितु नेगी ने भारतीय टीम की ओर से स्वर्ण पदक जीता था। भारतीय खेल प्राधिकरण धर्मशाला की कबड्डी खिलाड़ी पूजा ठाकुर ने बताया कि महिला कबड्डी विश्व कप के लिए आयोजित अंतिम कोचिंग कैंप में प्रदेश की छह खिलाड़ियों का चयन हुआ है। इनमें से चार खिलाड़ी सेंटर ऑफ एक्सीलेंस धर्मशाला में प्रशिक्षण ले रही हैं। भारतीय टीम के कोचिंग कैंप के लिए जिन हिमाचली खिलाड़ियों का चयन किया गया है उनमें पुष्पा राणा, ज्योति ठाकुर, रितु नेगी, चंपा, भावना और साक्षी शर्मा शामिल हैं।

साइना नेहवाल अपने पति कश्यप परुपल्ली से होंगी अलग, सोशल मीडिया पर शेयर की भावुक पोस्ट

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय बैडमिंटन आइकन साइना नेहवाल ने पति और साथी शटलर कश्यप परुपल्ली से अलग होने की घोषणा की है। यह जोड़ा, जो एक दशक से अधिक समय से साथ है और 2018 में शादी के बंधन में बंधा था। साइना ने रविवार को इंस्टाग्राम पर साझा किए गए एक भावुक बयान के माध्यम से अलग होने के अपने फैसले की पुष्टि की। साइना ने कहा, जीवन हमें कभी-कभी अलग दिशाओं में ले जाता है। बहुत सोचने और विचार करने के बाद कश्यप परुपल्ली और मैंने अलग होने का फैसला किया है। हम अपने और एक-दूसरे के लिए शांति, विकास और उपचार का चयन कर रहे हैं। मैं यादों के लिए आभारी हूं और आगे बढ़ने के लिए शुभकामनाएं देती हूं। साइना और कश्यप भारत की सबसे प्रमुख बैडमिंटन हस्तियों में से हैं जिन्हें अक्सर टूर्नामेंटों में एक-दूसरे का समर्थन करते और पेशेवर उपलब्धियों

का जश्न साथ मिलकर मनाते देखा गया है। अलगाव का कारण निजी है, साइना के संदेश में आपसी सम्मान और सकारात्मक रूप से आगे बढ़ने के साझा इरादे पर जोर दिया गया है। इस पोस्ट को प्रशंसकों, साथी एथलीटों और शुभचिंतकों का भरपूर समर्थन मिला, जिनमें से कई ने स्थिति को संभालने में दोनों की शालीनता और परिपक्वता की प्रशंसा की। पूर्व विश्व नंबर एक और ओलंपिक कांस्य पदक विजेता साइना नेहवाल खेलों में भारतीय महिलाओं के लिए एक पथप्रदर्शक रही हैं। कश्यप पारुपल्ली का भी एक विशिष्ट करियर रहा है उन्होंने ओलंपिक और राष्ट्रमंडल खेलों सहित कई अंतरराष्ट्रीय टूर्नामेंटों में भारत का प्रतिनिधित्व किया है। अलग-अलग निजी यात्राओं पर निकल पड़े साइना और कश्यप दोनों ही बैडमिंटन समुदाय और उसके बाहर अपार सम्मान अर्जित करते हैं।

यानिक सिनर ने पहला विम्बलडन खिताब जीता, दो बार के गत चैंपियन अल्काराज को हराया

लंदन, एजेंसी। शीर्ष रैंकिंग खिलाड़ी यानिक सिनर ने रविवार को यहां पुरुष एकल के फाइनल में दो बार के गत चैंपियन कार्लोस अल्काराज को 4-6, 6-4, 6-4, 6-4 से हराकर पहला विम्बलडन और चौथा ग्रैंडस्लैम खिताब जीता। इस तरह इटली के खिलाड़ी सिनर ने पांच हफ्ते पहले हुए फ्रेंच ओपन के ऐतिहासिक फाइनल के नतीजे को भी बदल दिया। अब सिनर दूसरी रैंकिंग पर काबिज स्पेनिश खिलाड़ी अल्काराज से कुल ग्रैंडस्लैम खिताब से एक कदम दूर हैं। इस जीत से सिनर ने 22 वर्षीय अल्काराज के लगातार खिताब जीतने के सिलसिले को भी तोड़ दिया। अल्काराज ने सिनर के खिलाफ पिछले पांच मुकाबले जीते थे जिसमें हालिया जीत आठ जून को रोलां गैरां में लगभग साढ़े पांच घंटे तक चली पांच सेटों की भिड़ंत में आई थी। सिनर ने उस मैच में दो सेट की बढ़त बना ली थी लेकिन जीत हासिल नहीं कर सके। इससे अल्काराज का मेजर फाइनल में स्कोर 5-0 हो गया था।

सिनर ने ऑल इंग्लैंड क्लब में ऐसे मैच में अपनी छाप छोड़ी जिसमें दोनों खिलाड़ियों ने शानदार खेल दिखाया। हालांकि बीच-बीच में चूक भी हुई। अल्काराज ने सेंटर कोर्ट में अपने करियर के सर्वश्रेष्ठ 24 मैच की जीत के साथ उतरे थे। उन्होंने ऑल इंग्लैंड क्लब में लगातार 20 मैच जीते थे जिसमें 2023 और 2024 के फाइनल में नोवाक जोकोविच के खिलाफ जीत भी शामिल है।

विंबलडन में पिछली बार अल्काराज को हराने वाले खिलाड़ी सिनर हैं जिन्होंने 2022 में

चौथे दौर में उन्हें शिकस्त दी थी। यह सिनर के लिए एक यादगार जीत साबित हुई जिसने उनकी उस बात को साबित कर दिया कि पेरिस में हारने का कोई असर नहीं होगा। हालांकि यह कल्पना करना मुश्किल है कि रविवार को उस हार का जरा भी ख्याल उनके दिमाग में नहीं था, विशेषकर जब तब चौथे सेट में 4-3, 15-40 के स्कोर पर सर्विस करते हुए उन्हें दो ब्रेक प्वाइंट का सामना करना पड़ा। लेकिन सिनर ने शांति से अगले चार प्वाइंट अपने नाम कर जीत हासिल कर ली।

जब सेट खत्म हुआ तो सिनर ने दोनों हाथ अपनी सफेद टोपी पर रख लिए। नेट पर अल्काराज को गले लगाने के बाद सिनर सिर झुकाकर कोर्ट पर झुक गए और फिर अपनी दाहिनी हथेली घास पर रख दी। सिनर ने फ्रेंच ओपन की हार को सच में पीछे छोड़ दिया और दिखा दिया कि अल्काराज के साथ उनका मुकाबला आने वाले वर्षों तक टेनिस प्रशंसकों को खुश कर सकता है। दिलचस्प बात है कि पिछली सात ग्रैंड स्लैम ट्रॉफियों को दोनों ने आपस में बांटा है जिसमें पिछली 12 में से नौ ट्रॉफियां शामिल हैं। संयोग से यह पहली बार है जब दो पुरुष खिलाड़ियों ने एक ही वर्ष में रोलां गैरां के क्ले कोर्ट और ऑल इंग्लैंड क्लब के ग्रास कोर्ट पर खिताबी मुकाबले खेले।

इससे पहले रोजर फेडरर और राफेल नडाल ने 2006, 2007 और 2008 में ऐसा किया था। सिनर ने पिछले चार मेजर फाइनल में से प्रत्येक में भाग लिया है और यह सिलसिला पिछले सितंबर में अमेरिकी ओपन में जीत के साथ शुरू हुआ और उसके बाद उन्होंने इस जनवरी में ऑस्ट्रेलियन ओपन में एक और जीत हासिल की। अपनी दाहिनी कोहनी की सुरक्षा के लिए सफेद टेप और सफेद बांह की आस्तीन पहने हुए सिनर को कोई परेशानी नहीं हुई। उन्होंने सेमीफाइनल में 24 बार के मेजर चैंपियन नोवाक जोकोविच को बाहर करते समय भी कोई भी परेशानी महसूस नहीं की थी।

कियारा से लेकर पत्रलेखा तक इस साल ये अभिनेत्रियां बनेंगी मां

इन दिनों बॉलीवुड की कई अभिनेत्रियां प्रेगनेंट हैं। जल्द ही इनके यहां किलकारियां गूंजने वाली हैं। इन अभिनेत्रियों के फैंस इसे लेकर खुश हैं। इस साल के शुरुआत में अभिनेत्री अथिया शेट्टी के यहां बेटी हुई थी। ऐसे में कई और बॉलीवुड कपल अपने बच्चे के स्वागत की तैयारी कर रहे हैं। आइए जानते हैं वह कौन से कपल हैं जो इस साल पैरेंट बनने वाले हैं।

पत्रलेखा

पत्रलेखा और राजकुमार राव जल्द ही माता-पिता बनने वाले हैं। हाल ही में कपल ने इस बात की जानकारी दी है। वह जल्द ही अपने यहां नन्हे मेहमान का स्वागत करने वाले हैं। दोनों के पैरेंट बनने की खबर से उनके फैंस उत्साहित हैं। ऐसे में फैंस उन्हें बधाई दे रहे हैं। राजकुमार राव ने पत्रलेखा से 2021 में शादी की थी।

शूरा खान

अरबाज खान ने पिछले साल शूरा खान से शादी की थी। इन दिनों शूरा प्रेग्नेंट हैं। शूरा जल्द ही अपने पहले बच्चे का स्वागत करने वाली हैं। अरबाज खान और उनके परिवार वाले अपने यहां नन्हें मेहमान का स्वागत करने के लिए तैयार हैं। अरबाज खान ने 1998 में मलाइका अरोड़ा से शादी की थी। उनका एक बेटा अरहान खान है। दोनों का 2017 में तलाक हो गया था।

गौहर खान

इस लिस्ट में टीवी और फिल्म एक्ट्रेस गौहर खान का नाम शामिल है। गौहर खान अपने दूसरे बच्चे को जन्म देने वाली हैं। गौहर खान ने साल 2020 में जैद से शादी की थी। 2023 में गौहर खान ने जेहान के रूप में पहले बच्चे का स्वागत किया था। इस साल गौहर अपने दूसरे बच्चे का स्वागत करने की तैयारी में हैं।

कियारा आडवाणी

कियारा आडवाणी भी इन दिनों प्रेगनेंट हैं। वह सिड के साथ अपने पहले बच्चे का स्वागत करने की तैयारी कर रही हैं। कपल ने इसी साल फैंस के साथ खुशखबरी साझा की थी। दोनों अपने बच्चे को लेकर काफी सजग हैं। वह अक्सर चेकअप के लिए अस्पताल जाते रहते हैं।

मालविका राज

जो कपल इस साल पैरेंट बनने वाले हैं उनमें कभी खुशी कभी गम में छोटी पूजा का किरदार निभाने वाली अभिनेत्री मालविका राज का नाम भी शामिल है। इस दिनों वह प्रेगनेंट हैं। इसी साल मई में मालविका राज ने अपने पति प्रणव के साथ अपने प्रेगनेंट होने की खुशी साझा की थी।

आशीष चंचलानी ने एली अवराम के साथ रिश्ते को किया ऑफिशियल

यूट्यूबर आशीष चंचलानी और अभिनेत्री एली अवराम ने रिश्ते को कंफर्म कर दिया है। इस कपल ने सोशल मीडिया पर पोस्ट करके इसकी जानकारी दी। आशीष चंचलानी ने इंस्टाग्राम पर शनिवार को पोस्ट शेयर कर रिश्ते को कंफर्म किया। तस्वीर में आशीष एली अवराम को गोद में उठाए दिखे। एली अवराम ने हाथ में फूल लिया था। दोनों मुस्कुरा रहे हैं। तस्वीर शेयर करते हुए आशीष चंचलानी ने कैप्शन में लिखा, फाइनली। पोस्ट शेयर करने के बाद आशीष के इंडस्ट्री के दोस्तों और साथी कलाकारों ने तुरंत प्रतिक्रिया दी और कमेंट सेक्शन में प्यार और शुभकामनाओं की बौछार कर दी।

कई लोगों ने हार्ट और फायर के इमोजी कमेंट किए। अभिनेता पुलकित सम्राट ने दो हार्ट इमोजी के साथ बधाई हो कमेंट किया। एक अन्य यूजर ने कमेंट सेक्शन में लिखा, हे भगवान। क्या तुमने सच में यह पोस्ट किया था? किसी ने लिखा, भगवान करे ये रिलेशन अच्छा चले।

कई अन्य यूजर्स ने लिखा, राधे भैया गए काम से। बता दें, आशीष चंचलानी और एली अवराम की डेटिंग को लेकर इस साल की शुरुआत में अफवाहें फैलीं। दोनों को फरवरी में आयोजित एले लिस्ट 2025 इवेंट में साथ देखा गया था। दोनों इस इवेंट में साथ नजर आए थे।

साउथ एक्टर नानी की 'द पैराडाइज' में हुई राघव जुयाल की एंट्री

नेचुरल स्टार नानी इन दिनों अपनी आगामी बहुप्रतीक्षित फिल्म 'द पैराडाइज' की शूटिंग में व्यस्त हैं। वहीं आज निर्माताओं ने बीटीएस वीडियो शेयर कर फिल्म किल से सभी दर्शकों का दिल जीत चुके राघव जुयाल के होने की भी पुष्टि कर दी है। फिल्म द पैराडाइज के निर्माताओं ने इंस्टाग्राम हैंडल पर एक बीटीएस वीडियो शेयर किया है। द पैराडाइज के निर्माताओं ने यह खास वीडियो आज राघव जुयाल के 34वें जन्मदिन पर शेयर कर फैंस को खुश कर दिया है। आज निर्माताओं ने एक शानदार बीटीएस वीडियो के साथ राघव की इस फिल्म में शामिल होने की आधिकारिक घोषणा की है। राघव का किरदार गंभीर और दमदार है। इस वीडियो में उनकी मेहनत और उत्साह साफ दिखाई दे रहा है। इस वीडियो को देखकर यही लग रहा है की उनका किरदार काफी दमदार होने वाला है। फिल्म के निर्माताओं ने इस वीडियो के साथ कैप्शन में लिखा, द पैराडाइज- प्रतिभाशाली लोगों को शुभकामनाएं देता है। राघव जुयाल को जन्मदिन की बहुत बहुत शुभकामनाएं। एक ऐसे रोल में उनका स्वागत है, जो अनोखा होगा और सभी को आश्चर्यचकित कर देगा। राघव, जो अपनी खास स्क्रीन मौजूदगी के लिए जाने जाते हैं।

बींदणी में मेरा किरदार बाहर से सख्त और अंदर से नर्म दिल वाला है :आकाश जग्गा

आगामी टीवी शो प्रथाओं की ओढ़े चुनरी- बींदणी में एक्टर आकाश जग्गा शामिल हो गए हैं। इसकी घोषणा शो के मेकर्स ने की। वह सीरियल में लीड किरदार निभाते नजर आएंगे। वह कुंदन नाम के लड़के का किरदार निभाएंगे, जो अंदर से बहुत भावुक है, लेकिन बाहर से सख्त दिखाई देता है। शो का एक प्रोमो वीडियो रिलीज किया गया। वीडियो में राजस्थान की पंचायत दिखाई गई है। इस पंचायत में घेवर नाम की एक लड़की खड़ी है, जिसे पारिवारिक कर्ज को चुकाने के लिए पुरानी परंपरा में जबरन शामिल होने के लिए मजबूर किया जाता है। वह इस गलत परंपरा को अपनाने से बचना चाहती है। इस दौरान कुंदन आता है और सबके सामने घोषणा करता है कि घेवर उसकी बींदणी यानी पत्नी है और उसे वहां से ले जाता है। इसके बाद कहानी में क्या होता है, वही शो को और भी दिलचस्प बनाता है। प्रथाओं की ओढ़े चुनरी- बींदणी एक महिला के अपने अस्तित्व को खोजने और साहस के साथ संघर्ष करने की कहानी है। शो का हिस्सा बनने पर खुशी जाहिर करते हुए आकाश जग्गा ने कहा, मैं बहुत आभारी हूं कि मुझे सन नियो चैनल के शो प्रथाओं की ओढ़े चुनरी- बींदणी में लीड रोल मिला है। कुंदन का किरदार बहुत ही गहराई वाला है, उसमें कई भावनात्मक परतें हैं।

तमन्ना ने स्टाइलिश तस्वीरों के साथ शेयर किया जीवन का फलसफा

अभिनेत्री तमन्ना भाटिया बॉलीवुड की उन चुनिंदा अभिनेत्रियों में से एक हैं जो अपने लुक और स्टाइल के लिए काफी मशहूर हैं। वह फैंस के साथ नए-नए आउटफिट में अपनी फोटो शेयर करती रहती हैं। रविवार को उन्होंने इंस्टाग्राम पर अपनी ऐसी ही कुछ स्टाइलिश तस्वीरें पोस्ट की, जिन पर फैंस जमकर प्यार लुटा रहे हैं। तमन्ना भाटिया ने हाल ही में अपने खास अंदाज से सबको चौंका दिया। उन्होंने एक काले रंग की चमकीली गाउन के साथ एक कैजुअल ग्रे टी-शर्ट पहनी, जिससे उन्होंने दिखाया कि कैसे अलग-अलग चीजें भी एक साथ खूबसूरत लग सकती हैं। तमन्ना का कहना है कि उनके लिए फैशन सिर्फ नए ट्रेंड को फॉलो करना नहीं है, बल्कि यह खुद को जाहिर करने का एक तरीका है, जहां ग्लैमर और आराम, मजबूती और कोमलता का संतुलन बनता है। बाहुबली फिल्म की इस अभिनेत्री ने अपने इंस्टाग्राम पर अपनी कुछ स्टाइलिश तस्वीरें साझा कीं। कैप्शन में, तमन्ना भाटिया ने फैशन के साथ पहचान भी लेयरिंग की ताकत को दर्शाया। उन्होंने साझा किया कि एक काले रंग का गाउन और एक ग्रे टी-शर्ट भले ही अलग-अलग दुनिया के लगे, लेकिन उनके लिए ऐसा लगता है जैसे वे एक-दूसरे से मिलने के लिए ही बने हैं।

शादी को लेकर समाज की सोच बदल रही: फातिमा सना शेख

अभिनेत्री फातिमा सना शेख ने समाज में महिलाओं और शादी को लेकर बदलते नजरिए पर अपने विचार साझा किए। उन्होंने कहा कि 30 साल की उम्र के बाद भी शादी न करने वाली महिलाओं को लेकर समाज में अभी कुछ हद तक पुरानी सोच बनी हुई है, लेकिन अब पहले जैसा दबाव नहीं रहा। फातिमा ने बताया कि लोग अब व्यक्तिगत पसंद और रिश्तों में बदलाव को ज्यादा स्वीकार करने लगे हैं। दंगल अभिनेत्री ने कहा कि पहले एक निश्चित उम्र तक शादी करने का दबाव ज्यादा था, लेकिन अब समय बदल रहा है और रिश्तों का मतलब भी बदल गया है। आजकल लोग खुद पर और अपने करियर पर ध्यान देना पसंद कर रहे हैं या अकेले रहने का फैसला कर रहे हैं। समाज धीरे-धीरे इसे स्वीकार करना सीख रहा है। अभिनेत्री ने कहा कि अब रिश्तों का मतलब बदल गया है। कई लोग अकेले रहने में सहज हैं या दूसरी चीजों पर ध्यान दे रहे हैं। समाज इसे स्वीकार कर रहा है। मुझे नहीं पता कि यह सही है या गलत, लेकिन अब इस पर पहले जैसी पाबंदी नहीं रही। फातिमा सना शेख ने अपने पहले प्यार की याद भी साझा की। जब उनसे पूछा गया कि क्या उन्होंने कभी किताबों में फूल रखे या ऐसे रोमांटिक पल जिए, तो उन्होंने मुस्कुराते हुए कहा, हां, बिल्कुल। उन्होंने बताया कि उनके तत्कालीन पार्टनर ने उनके जन्मदिन पर एक खास सरप्राइज प्लान किया था, जिसमें दरवाजे से कमरे तक का रास्ता फूलों से सजाया गया था। उन्होंने कहा कि चारों तरफ फूल थे और केक के आसपास मोमबत्तियां जली हुई थीं। लेकिन, यह सरप्राइज पूरी तरह वैसा नहीं रहा जैसा सोचा गया था, क्योंकि जब तक वह वहां पहुंची, ज्यादातर मोमबत्तियां पिघल चुकी थीं। हंसते हुए उन्होंने कहा कि हमें बाद में सब साफ करना पड़ा। उस पल को याद करते हुए फातिमा ने कहा कि यह एक खास और सच्चा प्यार था। उन्होंने यह भी बताया कि उस समय वह बहुत छोटी थीं और तब उनके पास फेसबुक या इंस्टाग्राम भी नहीं था। करियर की बात करें तो, फातिमा हाल ही में आर माधवन के साथ रोमांटिक कॉमेडी आप जैसा कोई में नजर आईं। विवेक सोनी के निर्देशन से सजी यह फिल्म 11 जुलाई को नेटफ्लिक्स पर रिलीज हुई थी।

मुझे राइटिंग से हो गया है गहरा लगाव: रणदीप हुड्डा

फिल्म मेकर और एक्टर रणदीप हुडा ने बताया कि एक्टिंग उनका पहला प्यार है, लेकिन अब राइटिंग उनके लिए सबसे खुशी देने वाला हिस्सा बन गया है। रणदीप ने कहा, पिछले कुछ सालों में समय के साथ मुझे राइटिंग से गहरा लगाव हो गया है। यह मेरे लिए किसी भी रचनात्मक प्रक्रिया का सबसे अच्छा हिस्सा है। जब मैं अभिनय करता हूं, तो मैं दूसरों की लिखी कहानियों का हिस्सा बनता हूं, लेकिन लेखन मुझे वो कहानियां गढ़ने का मौका देता है, जिन्हें मैंने जिया है, देखा है या कल्पना की है। वह वर्तमान में मुंबई के वर्सोवा और आराम नगर पर आधारित छोटी कहानियों की एक सीरीज पर काम कर रहे हैं। ये कहानियां हर रविवार को सड़क किनारे बांसुरी बेचने वाले एक व्यक्ति के जीवन, शहर में संघर्षरत अभिनेताओं के सफर, कास्टिंग काउच की कठोर सच्चाइयों और कई अन्य कहानियों को छूती हैं। रणदीप ने कहा, वर्सोवा और आराम नगर मानवीय महत्वाकांक्षाओं और अस्तित्व के ऐसे खामोश रंगमंच रहे हैं, और मैं इन कहानियों को जीवंत करना चाहता था। उन्होंने बताया, हर रविवार मुझे एक बांसुरी वाला उसी कोने पर खड़ा दिखता है, जो ऐसी धुनें बजाता है जो शहर के शोर में अक्सर दब जाती हैं। उसके पीछे महत्वाकांक्षी अभिनेताओं, रोजमर्रा के संघर्षों, छोटी जीतों और दिल टूटने की दुनिया है। उन्होंने कहा, इन कहानियों को लिखने से मुझे उद्देश्य की अनुभूति होती है और हमारे आसपास की जिंदगी की परतों पर विचार करने का मौका मिलता है। उनके अपकमिंग प्रोजेक्ट की बात करें तो, वह अगली बार 'मैचबॉक्स' में नजर आएंगे, जो सैम हार्ग्रेव के निर्देशन में बन रही अमेरिकी एक्शन एडवेंचर कॉमेडी फिल्म है। यह फिल्म इसी नाम के मशहूर टॉय ब्रांड पर आधारित है और इसमें जॉन सीना, जेसिका बील, सैम रिचर्डसन, आर्टुरो कास्त्रो, टेयोना पैरिस, रणदीप, दनाई गुरिरा और कोरी स्टोल भी नजर आएंगे। यह फिल्म 2026 में रिलीज होने वाली है। रणदीप हुडा के पास 'ऑपरेशन खुकरी' नामक एक महाकाव्य युद्ध ड्रामा भी है।

हॉलीवुड एक्ट्रेस वेनेसा ने साझा की खुशखबरी

दूसरी बार मां बनेगी, दोस्तों ने दी बधाई

हॉलीवुड एक्ट्रेस वेनेसा हजेंस ने अपने फैंस के साथ बड़ी खुशखबरी साझा की है। वह दूसरी बार मां बनने वाली हैं। इस बात से वेनेसा, उनके पति और बेसबॉल प्लेयर कोल टकर काफी खुश हैं।

वेनेसा हजेंस ने अपने इंस्टाग्राम पेज पर कुछ तस्वीरें साझा कीं, जिसमें वह अपना बेबी बंप दिखाती नजर आईं। इन तस्वीरों में उनके साथ पति कोल टकर भी नजर आ रहे हैं। दोनों ने मैचिंग व्हाइट कलर की ड्रेस पहनी है। अपनी तस्वीरों के साथ एक्ट्रेस ने कैप्शन- 'राउंड टू।' वह तस्वीरों में काफी खुश नजर आ रही हैं।

साल 2024 में जुलाई माह में वेनेसा ने अपने पहले बच्चे को जन्म दिया था। अब वह दूसरी बार प्रेग्नेंट हुईं। दूसरी बार मां बनने की खुशखबरी सुनकर वेनेसा के दोस्तों ने भी बधाई दी है।

डिज्नी स्टार एली मिशलका ने लिखा, 'बधाई हो। वहीं एक्ट्रेस जेना ने कमेंट किया, 'बधाई हो, मेरी प्यारी दोस्त।' ब्रॉडवे एक्टर कोरी कॉट ने वेनेसा को बधाई दी है।

पति के लिए साझा की थी पोस्ट

प्रेग्नेंसी की खबर वाली पोस्ट से पहले वेनेसा ने अपने पति के नाम भी एक पोस्ट साझा की थी। पति के जन्मदिन पर एक्ट्रेस ने प्यार भरा मैसेज भी लिखा था। वेनेसा ने पोस्ट में लिखा, 'मेरे बेस्ट फ्रेंड और लाइफपार्टनर तुम मेरे लिए सबकुछ हो। तुमसे बेहतर कोई नहीं हो सकता है।'

बैटल ऑफ गलवां में काम करने पर चित्रांगदा सिंह ने जताई खुशी

इंडस्ट्री में तमाम अभिनेत्रियों का सपना होता है दंबग खान के साथ फिल्मों में काम करने का मौका मिल जाए। कुछ से सलमान खान उनकी यह इच्छा पूरी करने की कमिटमेंट भी कर देते हैं और भाईजान के बारे में कहा जाता है कि एक बार जब वो कोई कमिटमेंट कर देते हैं तो फिर अपनी भी नहीं सुनते। ऐसा ही कुछ हुआ है चित्रांगदा सिंह के साथ जो आगामी फिल्म में सलमान खान के साथ स्क्रीन शेयर करेंगी। सलमान पूरी जी-जान से इस फिल्म की तैयारियों में लगे हैं। फिल्म में उनके अपोजिट चित्रांगना सिंह नजर आएंगी।

साभार एजेंसी